www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 120 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
21 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:24
सूर्यास्त: 07:01
अधिकतम: 31:00
न्यूनतम: 27:00

पेज 07

विशेष समाचार 'योगी की जय कन्हैया व... >>पेज 04 | मुजफ्फरनगर में मकान ... >>पेज 06 | सैयारा के लिए वाईआरएफ ...

पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया, सीजेपी बोली- निहत्थों को पीटा

संसद पहुंचे कॉकरोच

शाम 4 बजे के बाद रैपिड एक्शन फोर्स के जवान जंतर-मंतर खाली कराने पहुंचे। वहां लोगों पर लाठीचार्ज किया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी की 3 मांगें

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा
- सोनम वांगचुक को अवैध हिरासत से रिहा करें
- नीट से जुड़ी हर मौत के लिए 1 करोड़ दें

प्रदर्शन

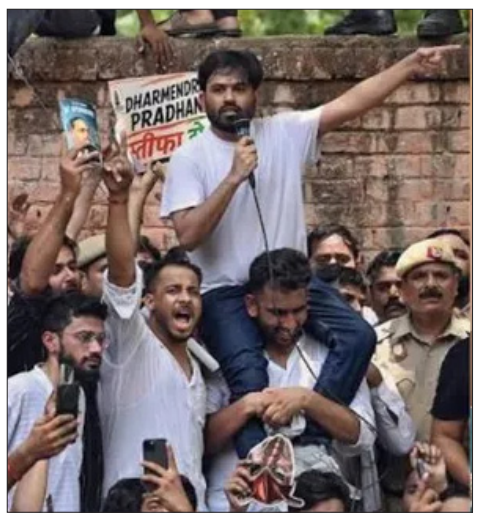

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, "प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, मानो वे किसी दुश्मन देश के नागरिक हों। उनके खिलाफ लाठीचार्ज किया जा रहा है और आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं।"

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन के दौरान कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। सुबह 8 बजे शुरू हुए प्रदर्शन में 10 बजे प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर संसद की ओर मार्च किया। आंदोलनकारी जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक होते हुए संसद के करीब पहुंचे। संसद में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई, मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी और इतने ही प्रदर्शनकारी भी घायल हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)

नड्डा से मिले सीजेपी के प्रतिनिधि, बोले- ठोस आश्वासन नहीं मिला

CJP के नेता सौरव दास ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी। सौरव दास ने लिखा कि उन्होंने अपनी मांगें केंद्रीय मंत्री के सामने रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे।

आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 एएम से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें।

सीजेपी ने लिखा- पुलिस की बर्बरता के बावजूद, प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर लौटे

कॉकरोच जनता पार्टी X पर एक पोस्ट में लिखा है- अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका और गीतांजलि अंग्मो अभी भी जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। वे अभी केरल हाउस के सामने हैं। यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन खत्म नहीं हो रहा है। दिल्ली, बाहर आओ और जंतर-मंतर पर हमारे साथ जुड़ो - यह 'अभी या कभी नहीं' वाली स्थिति है। धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना ही होगा।

100 से ज्यादा पुलिसकर्मी-प्रदर्शनकारी घायल, 100 से ज्यादा हिरासत में

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान CJP समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प में 50 से ज्यादा पुलिसवाले और 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि झड़प तब शुरू हुई जब CJP के प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर फेंके, जिसके बाद लाठीचार्ज हुआ। 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और उन्हें दिल्ली के अलग-अलग पुलिस थानों में ले जाया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीजेपी का दावा- पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पथराव किया

कॉकरोच इज बैक X हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि पुलिस प्रदर्शनकारियों पर पत्थर फेंक रही है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि क्या बेरहमी से किया गया लाठीचार्ज काफी नहीं था। दिल्ली पुलिस ने CJP के प्रदर्शनकारियों से हिंसक गतिविधियों में शामिल न होने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से कहा है कि प्रदर्शनकारी किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और न ही उसे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलाएं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सीजेपी प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प में 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए, जिसके बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि हिंसा के बाद पुलिस ने स्थिति को काबू में कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली में अहम जगहों पर सुरक्षा और बढ़ा दी गई। साथ ही झड़प में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

संसद मार्च के दौरान 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए। कई प्रदर्शनकारियों को चोटें आई हैं।

सीजेपी के संसद मार्च की टाइमलाइन

5 AM	जंतर-मंतर, संसद मार्ग पर सख्त बैरिकेडिंग, आरएएफ तैनात।
8 AM	जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ बढ़ी।
9:30 AM	संसद मार्च की तैयारी, बैरिकेड तोड़ी, तनातनी बढ़ी।
10 AM	संसद की ओर मार्च, पुलिस ने बैरिकेड पर रोका।
11 AM	धक्का-मुक्की के बाद हल्का लाठीचार्ज। प्रदर्शनकारी पार्लियामेंट स्ट्रीट पहुंचे।
11:30 AM	पार्लियामेंट स्ट्रीट पर पुलिस का लाठीचार्ज, पुलिसकर्मी समेत कई लोग घायल।
12 PM	सीजेपी प्रतिनिधिमंडल की पुलिस से बातचीत, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलने पहुंचे।
1 PM	पुलिस ने संसद गेट के पास प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़ी; 5 मेट्रो स्टेशन बंद।
2 PM	फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया।
3 PM	कई प्रदर्शनकारी हिरासत में, सीजेपी ने आंदोलन जारी रखने की बात कही।
4 PM	सीजेपी डेलीगेशन की नड्डा से मुलाकात, 3 मांगों समेत लिखित शिकायत दी।

सोनम वांगचुक बोले- बर्बरता देखने के बाद अनशन जारी रखूंगा

सफदरजंग हॉस्पिटल से सोनम वांगचुक ने हाथ से लिखा संदेश भेजा है। इसे उनके X हैंडल पर शेयर किया गया है। पोस्ट में लिखा है- मैं तब तक अनशन जारी रखूंगा, जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती, या फिर मुझे यहां अस्पताल में ही सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती। मुझे उम्मीद है कि सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी, उससे पहले नहीं। युवाओं ने उकसावे के बावजूद जिस तरह शांति बनाए रखी, उससे मैं बहुत प्रभावित और भावुक हूं। मैं सरकार और पुलिस से अपील करता हूं कि इस मुद्दे का समाधान सिर्फ इतना करके करें कि आज या कल छात्रों को संसद के सामने अपनी शिकायतें रखने की अनुमति दे दें। मुझे पूरा विश्वास है कि युवा प्रदर्शनकारी कल भी वही धैर्य और सहिष्णुता दिखाएंगे, जो उन्होंने आज दिखाई।

सीजेपी के प्रोटेस्ट पर बोले राहुल- मोदी युवाओं के सबसे बड़े विरोधी

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। इतने युवा विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक। 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित। और सज़ा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को। और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज़ सवाल उठाए - तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत। लीक करने वाले अपराधी आज़ाद - और वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्र घसीटे जाते हैं, पीटे जाते हैं। यह सरकार सिर्फ़ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही - उनपर टूट पड़ी है।

डिंपल को दिल्ली पुलिस ने 2 घंटे थाने में रखा

डिंपल यादव, इकरा हसन, प्रिया सरोज, रुचि वीरा और धर्मेंद्र यादव समेत 8 सपा सांसदों को दिल्ली पुलिस ने 2 घंटे तक हिरासत में रखा। ये सांसद सोमवार दोपहर साढ़े 12 बजे 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में संसद से जंतर-मंतर तक पैदल मार्च कर रहे थे।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने बताया कि सभी सांसदों को करीब 2 घंटे तक दिल्ली के पार्लियामेंट थाने में बैठाए रखा गया। करीब ढाई बजे हमें छोड़ा गया।

वहीं, सांसद डिंपल यादव ने थाने से बाहर आने के बाद कहा- कुछ पुलिसवाले गुंडे बने हुए थे। बच्चों की छातियों मारा और घसीटा गया। एक बिटिया बता रही थी कि पुरुष पुलिसवाले ने उसके कपड़े फाड़े हैं। हमें बहुत बच्चे मिले, जिनके कपड़े फटे हैं।

हमारे सांसदों को पुलिस स्टेशन में रखा गया : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा- हमारे सांसदों को पुलिस स्टेशन में रखा गया है, जबकि बाहर बच्चों को पीटा जा रहा है। यह कैसी सरकार है? आप बच्चों की बात नहीं सुनना चाहते। वहीं, यूपी में भी सपा और कांग्रेस ने नीट पेपर लीक के खिलाफ और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। >> (शेष पेज 06 पर)

चर्चा : खड़गे बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया।

उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया।

संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है। तर्क-तथ्य के साथ सदन की चर्चा को मजबूत किया जाए, हर आवाज को सम्मान मिले। मैं सभी सांसदों को सदन में चर्चा के लिए निमंत्रण देता हूं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी संसद आए। विपक्ष पूरे सत्र में मोदी सरकार को नीट, राम मंदिर चढ़ावा चोरी जैसी मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है।

मानसून सत्र के पहले दिन पीएम मोदी संसद पहुंचे। उन्होंने संसद भवन में मौजूद भाजपा सांसदों किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल ऑर्डिनेंस की जगह लेगा

लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) की जाएगी। यह बिल मई में जारी ऑर्डिनेंस की जगह लेगा।

ऑर्डिनेंस लागू होने के बाद बढ़ी हुई स्वीकृत संख्या के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में 5 नए जज नियुक्त किए जा चुके हैं। इस संशोधन के लिए संविधान में बदलाव की जरूरत नहीं है। इसे पारित करने के लिए संसद में साधारण बहुमत चाहिए।

दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो।

'सनातन पर खतरा आया तो कोई बच नहीं पाएगा'

सीएम योगी की हुंकार, गिनाए शूरवीरों के नाम

- लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर से बाराबंकी को मिलेगी नई पहचान
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीएम ने लोधेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

542 करोड़ की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास जनसभा में विपक्ष पर साधा निशाना

सत्यवान पाल

तमसा संकेत, सूरतगंज (बाराबंकी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मंदिर में भगवान लोधेश्वर महादेव के शिवलिंग पर जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने रामनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए जिले को करीब 542 करोड़ रुपये की 82 विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिसवाले जूते हाथ में लेकर चले, 20 शहरों में बारिश, 7 की मौत, 69 शहरों में भारी बारिश

यूपी में सड़कें धंसीं, मंदिर डूबे अस्पताल में घुसा पानी

इससे पहले, रविवार को 65 शहरों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा 97.5 मिमी. बारिश चंदौली में हुई। श्रावस्ती में 60.9, बलिया में 58.5, रामपुर में 48.7 और बलरामपुर में 47.6 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने प्रदेश में 5-6 दिन भारी बारिश की आशंका जताई है। लोगों को निचले इलाकों और नदी किनारे बसे क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। सोमवार सुबह से पूरे प्रदेश में बादल छाए हैं। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, अयोध्या, बरेली समेत 20 शहरों में बारिश हो रही है। लखनऊ में रविवार रात 10.30 बजे से शुरू हुई रिमझिम बारिश सोमवार दोपहर तक जारी है। आज पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट है। 69 शहरों में भारी बारिश हो सकती है।

फिरोजाबाद में इतनी बारिश हुई कि सरकारी अस्पताल में पानी घुस गया। पुलिसवाले हाथ में जूते पकड़कर घुटनों तक पानी में चलते नजर आए। शामली में नहर फूट गई। किनारे बनी सड़क 10 फीट धंस गई। नहर का पानी गांवों में घुस गया। कई बीघा खेत जलमग्न हो गए।

इधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में नदियों का जलस्तर तेजी बढ़ रहा है। वाराणसी-प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में दशाश्वमेध से लेकर पंचगंगा घाट तक रत्नेश्वर महादेव मंदिर समेत 40 छोटे मंदिरों में पानी भर गया है।

बलिया में सरयू और लखीमपुर में शारदा नदी के किनारे कटान शुरू हो गया है। 100 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। संतकबीरनगर में बारिश में 300 साल पुराना बाबा बैजूनाथ मंदिर ढह गया।

पिछले 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने की वजह से प्रदेश में 7 लोगों की मौत हो गई। मुजफ्फरनगर में कच्चा मकान ढहने से परिवार के 5 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई। बलिया-चंदौली में बिजली गिरने से खेत में धान रोपाई कर रहे एक-एक किसान की जान चली गई।

प्रयागराज में सुबह से आसमान में बादल छाए हुए थे।

5-6 दिन भारी बारिश के आसार

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया के कमजोर पड़ने के साथ ही मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसका असर यूपी पर पड़ रहा है। मानसूनी रेखा श्रीगंगानगर, रोहतक, हरदोई, वाराणसी, रांची होते हुए उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। ऐसे में प्रदेश में 22 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इसके बाद 3-4 दिन कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा।

प्रयागराज में सुबह से बादल छाए, तेज बारिश का अलर्ट

प्रयागराज में सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए जिले में तेज हवा, मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और भारी बारिश की संभावना जताई है।

वाराणसी में रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधा डूब गया है। दशाश्वमेध घाट की सीढ़ियां डूब गई हैं।

किताब पर बुलडोजर रखकर जंजीर से बांधा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सपाइयों ने जौहर यूनिवर्सिटी और सोनम वांगचुक के लिए सोमवार को प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं के हाथों में किताब थी। उसके ऊपर बुलडोजर का खिलौना रखा था। बुलडोजर को जंजीर से बांधा गया था। जैसे ही कार्यकर्ता विधानसभा के पास पहुंचे, उन्हें पुलिस ने रोक लिया।

यह देखते ही कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। पुलिस ने उन्हें हाथ-पैर पकड़-पकड़कर टांगना शुरू कर दिया। करीब 10-12 सपा कार्यकर्ता थे। उन्हें पुलिस ने एक-एक कर बस में जबरदस्ती बैठा दिया। प्रदर्शन 10 बजे हुआ। पुलिस ने उन्हें 5 मिनट के अंदर बस से प्रदर्शन स्थल इको गार्डन भेज दिया।

प्रदर्शनकारी मनीष कुमार ने कहा- इस समय शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त की जा रही है। लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। इसीलिए हम लोग यह प्रदर्शन करने आए हैं। यह सरकार शिक्षा विरोधी है। प्रदर्शन कर रहे उदय सिंह ने कहा- जौहर यूनिवर्सिटी पर आज कार्रवाई हो रही है। इनकी राजनीति यादव और यूनिवर्सिटी के विरोध से जुड़ी हुई है। कितने ही भाजपा कार्यालयों का नक्शा नहीं पास है।

- **लखनऊ में सपाइयों का प्रदर्शन, जौहर यूनिवर्सिटी और वांगचुक के लिए सड़क पर उतरे**

फास्ट न्यूज

यूपीएसएसएससी ने शुरू की मुख्य परीक्षा शुल्क जमा प्रक्रिया

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) ने सोमवार से प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी और सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (स्नातक स्तरीय) मुख्य परीक्षा के लिए परीक्षा शुल्क जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों परीक्षाओं के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं।

एआईएमआईएम नेता का वंदे मातरम् बिल पर हमला

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे एआईएम-आईएम पूर्वांचल के अध्यक्ष इसरार अहमद ने वंदे मातरम् बिल पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार यह विधेयक राम मंदिर चंदा चोरी के मामले से जनता का ध्यान भटकाने के लिए लाई है। अहमद के अनुसार, इस मुद्दे को जानबूझकर ऐसे समय में उठाया गया है ताकि लोगों का ध्यान अन्य महत्वपूर्ण विषयों से हट जाए। इसरार अहमद ने कहा कि प्रस्तावित बिल मुसलमानों को वंदे मातरम् गाने या स्वीकार करने के लिए बाध्य करने जैसा है, जो धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है।

बीएचयू में छात्रों ने निकाला विरोध मार्च

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में छात्रों का विरोध प्रदर्शन करीब दो घंटे तक चला। सोमवार की शाम 4 बजे बड़ी संख्या में छात्र विश्व मंदिर के सामने एकत्र हुए, जहां से उन्होंने मार्च शुरू किया। रास्ते में कई स्थानों पर प्रशासन ने छात्रों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग पार करते हुए आगे बढ़ते रहे। बीएचयू के सरसुंदर लाल अस्पताल के सामने पुलिस प्रशासन ने मार्च रोक दिया।

फीफा विश्व कप फाइनल का रोमांच

बड़े पर्दे पर मैच देखने जुटे फुटबॉल प्रेमी

मसूद खान

तमसा संकेत, अकबरपुर, अंबेडकर नगर। रविवार देर रात शहजादपुर, अकबरपुर स्थित खान मार्केट में फीफा विश्व कप फाइनल को लेकर फुटबॉल प्रेमियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले का लाइव प्रसारण देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी देर रात तक मौजूद रहे।

अल अमाना टूर एंड ट्रेवल्स की ओर से बड़े प्रोजेक्टर स्क्रीन पर फाइनल मुकाबले का सीधा प्रसारण कराया गया। आयोजन में अल अमाना टूर एंड ट्रेवल्स के संचालक शहजादे खान, रेलोड मैन कैजुअल के इमरान खान, यूपी स्पोर्ट्स के मसूद खान, केजीएन मेडिकल स्टोर के शेखू खान तथा अब्दुल्लाहपुर निवासी हैदर भाई विशेष रूप से मौजूद रहे। इनके अलावा क्षेत्र के अनेक युवा, खेल प्रेमी और फुटबॉल समर्थक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। मैच के दौरान हर गोल, शानदार बचाव और रोमांचक क्षण पर दर्शकों ने तालियों और नारों के साथ अपनी खुशी का इज़हार किया। पूरा खान मार्केट विश्व कप के रोमांच में डूबा नजर आया।

अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी तो अंधभक्त बनेगा इंडिया, यही मोदी सरकार का असली नारा: इरम रिज़वी

अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी तो अंधभक्त बनेगा इंडिया

- **लोकतंत्र लाठी से नहीं संवाद से चलता है, जनता ने 144 लगाया तो भाजपा की जमानत जब्त हो जाएगी**
- **सोनम वांगचुक का अनशन कुचलने की कोशिश कर रही सरकार, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे: दिनेश सिंह पटेल**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर आज सुल्तानपुर, आजमगढ़, मेरठ, पीलीभीत, भदोही, गाजियाबाद, रामपुर, सहित प्रदेश के सभी जिलों में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े, पेपर लीक के खिलाफ और पिछले 23 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे महान समाजसेवी सोनम वांगचुक एवं छात्रों के समर्थन में आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में लखनऊ के स्वास्थ्य भवन चौराहे पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन कर वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा न लेना सरकार की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा: इरम रिज़वी

शांतिपूर्ण छात्रों पर लाठीचार्ज मोदी सरकार की कायराना हरकत

दिनेश सिंह पटेल ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर कार्रवाई करने के बजाय जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से अपने हक की आवाज उठाने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज करवाना प्रधानमंत्री मोदी की कायराना हरकत है। यह बेहद शर्मनाक है कि जो युवा देश का भविष्य हैं, उन्हें सड़कों पर लहूलुहान किया जा रहा है। मोदी जी ने जंतर-मंतर पर धारा 144 लगा दी है, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि अगर चुनाव में जनता ने भाजपा पर 144 लगा दिया, तो उनकी जमानत जब्त हो जाएगी।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा न लेना सरकार की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा: इरम रिज़वी

इरम रिज़वी ने कहा कि यह सरकार इतनी संवेदनहीन हो चुकी है कि पेपर लीक के कारण 22 बच्चों की मौत के बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं लिया जा रहा है। सरकार छात्रों से बात करने के बजाय आंदोलन को कुचलने में लगी है। सोनम वांगचुक जैसे महान समाजसेवी, जो देश के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं, उनके साथ पुलिसिया बल पर जबरदस्ती की जा रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ें, क्योंकि प्रधानमंत्री का असली एजेंडा यही है कि 'अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी तो अंधभक्त बनेगा इंडिया'।

4 मंजिला सरकारी बिल्डिंग में भीषण आग

दमकल की 18 गाड़ियों ने इमारत घेरी, 2 किमी से धुआं दिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 4 मंजिला सरकारी बिल्डिंग में सोमवार सुबह 9:53 बजे आग लग गई। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। धुआं करीब 2 किमी दूर से दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही दमकल की 18 गाड़ियां 5-7 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचीं और पूरी बिल्डिंग को घेर लिया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

घटना राजधानी के पॉश इलाके हजरतगंज स्थित जवाहर भवन की है, जो विधानसभा से महज 2 किमी दूर है। जानकारी के मुताबिक, चौथी मंजिल पर ट्रेजरी भवन की कैंटीन और मीटिंग हॉल है। आग कैंटीन में शॉर्ट-सर्किट से शुरू हुई थी।

CFO अंकुश मित्तल ने बताया कि 18 दमकलों ने एक घंटे तक अभियान चलाया। हाइड्रेंट सिस्टम से लगातार पानी की आपूर्ति की गई। इस दौरान आसपास की इमारतों से 50 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग को अन्य मंजिलों और भवनों तक फैलने से रोक लिया।

सुबह 9:53 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिलते ही हजरतगंज फायर स्टेशन से 3 दमकल वाहन रवाना किए गए। कुछ ही देर में जिले के अन्य फायर स्टेशनों से भी गाड़ियां पहुंच गईं। फायरकर्मियों ने चारों तरफ से मोर्चा संभालते हुए करीब 20 मिनट में आग के फैलाव पर काबू पा लिया। CFO अंकुश मित्तल ने बताया कि 18 दमकलों ने एक घंटे तक अभियान चलाया। हाइड्रेंट सिस्टम से लगातार पानी की आपूर्ति की गई। इस दौरान आसपास की इमारतों से 50 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

आग बुझाने के दौरान बिल्डिंग की ऊपरी छत की बाउंड्रीवॉल भरभराकर गिर पड़ी। गनीमत रही कि उस समय नीचे कोई मौजूद नहीं था। घटना की सूचना मिलते ही डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, डीएम विशाख जी. और जॉइंट सीपी बबलू कुमार भी मौके पर पहुंचे।

डिप्टी सीएम बोले- बिल्डिंग जर्जर है तो विकल्प निकालेंगे

मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि चौथी मंजिल पर आग लगी थी। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। छज्जे का एक हिस्सा गिरने पर उन्होंने कहा कि उसे PWD को निर्देशित कर जांच कराएंगे। अगर बिल्डिंग जर्जर है तो इसका विकल्प निकालेंगे।

डीजी फायर बोलीं- 15 गाड़ियां मौजूद, हाइड्रोजन प्लेटफॉर्म भी मंगाया

डीजी फायर पद्मजा ने बताया कि चौथे फ्लोर पर किचन चलता था। रेस्क्यू और फायर फाइटिंग खत्म होगी तब देखेंगे कि आग लगने की वजह क्या थी। फिलहाल, आग पूरी तरह कंट्रोल में है। कोई कैजुअल्टी या इंजरी की सूचना नहीं है। मौके पर 15 गाड़ियां मौजूद हैं। हाइड्रोलिक प्लेटफार्म मल्टी डिजास्टर भी मंगाई गई है। यह गवर्नमेंट की बिल्डिंग है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी : सुप्रीम कोर्ट बोला राजनीति मत कीजिए

यूपी सरकार दोबारा एसआईटी बनाए

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा SIT बनाने का आदेश दिया है। सोमवार दोपहर 3:30 बजे सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने कहा- नए सिरे से SIT बनाई जाए। सीनियर IPS अधिकारी टीम की अगुआई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे। CJI ने कहा- जांच निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के होनी चाहिए। जांच ठीक से हो। कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता को यूपी सरकार से SIT के लिए नाम लेकर आने को कहा। अदालत अब 27 जुलाई को अगली सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट देवदत्त कामत और अन्य शामिल थे।

यूपी सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर चढ़ावा चोरी की सत्यता पता करने के लिए 13 जून को SIT बनाई थी। 23 जून को SIT ने शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। यूपी सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर चढ़ावा चोरी की सत्यता पता करने के लिए 13 जून को SIT बनाई थी। 23 जून को SIT ने शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने रविवार देर रात जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी। रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई है। इससे पहले 13 जुलाई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था।

हादसा : खाली होने से नहीं हुआ हादसा, गाड़ी को हटाने के लिए हाइड्रा बुलाई

सीएनजी से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलटा

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर के महर्षि चौक पर सोमवार सुबह करीब 5 बजे सीएनजी से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया।

गनीमत रही कि टैंकर लगभग खाली था और उसमें केवल 5 से 10 प्रतिशत गैस बची थी, जिससे हादसा टल गया। घटना के बाद प्रशासन और दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई।

हादसे वाली जगह के पास पेट्रोल पंप और घनी आबादी होने के कारण एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

सुरक्षा के मद्देनज़र पूरे क्षेत्र को कॉर्डन ऑफ कर दिया गया है। मौके पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां तैनात हैं और लगातार निगरानी की जा रही है। टैंकर को सीधा करने के लिए हाइड्रा मशीन मंगाई गई है। साथ ही टैंकर कंपनी के तकनीशियन को भी बुलाया गया है। उनके पहुंचने के बाद गैस की स्थिति का आकलन कर टैंकर को सुरक्षित तरीके से हटाने की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के अनुसार फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और एहतियात के तौर पर सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। उस समय बारिश हो रही थी। तभी तेज धमाके जैसे आवाज सुनाई पड़ी। बाहर निकलकर देखा तो एक टैंकर पलटा हुआ था।

वॉल्व टूटने से रिसाव की आशंका, बिजली आपूर्ति बंद

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (एफएसओ) संजीव यादव ने बताया कि टक्कर के कारण टैंकर के वॉल्व क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ऐसे में बची हुई गैस के रिसाव की आशंका को देखते हुए तत्काल आसपास की बिजली आपूर्ति बंद करा दी गई है। प्रशासन ने टैंकर के चारों ओर करीब 200 मीटर क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर सुरक्षित घेरा बना दिया है, ताकि कोई व्यक्ति वहां न पहुंच सके।

ड्राइवर ने बताया कि टैंकर हल्द्वानी से गैस खाली करके लौट रहा था। बारिश के कारण सड़क गीली थी। महर्षि चौक के स्पीड ब्रेकर पर ब्रेक लगाने के दौरान दाहिनी ओर का टायर फिसल गया, जिससे टैंकर अनियंत्रित होकर महर्षि कश्यप की प्रतिमा के फाउंडेशन से टकराते हुए पलट गया।

एलएलएम प्रवेश परीक्षा में खिड़की तोड़ भागा नकलची

लखनऊ विश्वविद्यालय में मोबाइल के साथ परीक्षा देने को लेकर धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के सेकेंड कैंपस में सोमवार को LLM प्रवेश परीक्षा के दौरान 2 बजे जमकर हंगामा हो गया। परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र पर नकल को लेकर सवाल उठाते हुए विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान एडमिशन सेल के कर्मचारियों और मौजूद प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ अभ्यर्थियों की बहस हो गई।

देखते ही देखते बहस के साथ धक्का-मुक्की भी होने लगी। माहौल बिगड़ गया। अभ्यर्थियों का आरोप था कि परीक्षा कक्ष में कुछ लोग मोबाइल फोन लेकर परीक्षा दे रहे हैं। ऐसे में नकलविहीन परीक्षा कैसे कराई जा सकती है। अभ्यर्थियों ने परीक्षा की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेकेंड कैंपस में सोमवार को LLM प्रवेश परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया। मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते पकड़े जाने के बाद एक अभ्यर्थी पूछताछ से बचने के लिए कमरे की खिड़की तोड़कर परीक्षा केंद्र से भाग गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थी के खिलाफ FIR दर्ज कराने के लिए पुलिस को पत्र भेजा है। घटना सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित इंजीनियरिंग फैकल्टी परीक्षा केंद्र पर आयोजित LLM प्रवेश परीक्षा की पहली पाली के दौरान हुई।

पूछताछ के लिए कमरे में ले जाया गया था

विश्वविद्यालय के मुताबिक, पकड़े जाने के बाद अभ्यर्थी को अ न ुश ास न ात्म क कार्रवाई और पूछताछ के लिए इंजीनियरिंग फैकल्टी के प्रथम तल पर स्थित एक कमरे में ले जाया गया। सुरक्षा के लिए कमरे को बाहर से बंद कर दिया गया था। आरोप है कि कुछ देर बाद अभ्यर्थी ने कमरे के पीछे की खिड़की तोड़ दी और परीक्षा केंद्र से फरार हो गया।

यूपी की पहली और एकमात्र एआईएफएफ 4-स्टार एक्रेडिटेड अकादमी बनी

फुटबॉल अकादमी का राष्ट्रीय मंच पर जलवा

उपलब्धि

- अकबरपुर से निकली प्रतिभाओं ने बनाई पहचान
- उत्तर प्रदेश फुटबॉल को मिली नई पहचान

> एआईएफएफ की मान्यता सूची में देशभर की 16 चुनिंदा अकादमियों को 4-स्टार और 5-स्टार श्रेणी में स्थान मिला है। अवध म्यूटिनियर्स स्पोर्ट्स क्लब ने इस सूची में जगह बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान दर्ज कराई है।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिले की फुटबॉल अकादमी अवध म्यूटिनियर्स स्पोर्ट्स क्लब ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने वर्ष 2026-27 के लिए क्लब को 4-स्टार एक्रेडिटेड फुटबॉल अकादमी की मान्यता दी है। इसके साथ ही यह उत्तर प्रदेश की एकमात्र एआईएफएफ 4-स्टार मान्यता प्राप्त फुटबॉल अकादमी बन गई है।

अवध म्यूटिनियर्स स्पोर्ट्स क्लब के संस्थापक और पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने कहा कि यह उपलब्धि वर्षों के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शुरुआत से ही उद्देश्य उत्तर प्रदेश के युवा फुटबॉल खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना रहा है। उन्होंने बताया कि क्लब पिछले 12 वर्षों से पूर्वी उत्तर प्रदेश के बच्चों के साथ काम कर रहा है। अकादमी के खिलाड़ी अंकुर राजभर और अरमान अहमद भारतीय अंडर-17 टीम तक पहुंच चुके हैं। दोनों खिलाड़ी अकबरपुर क्षेत्र से हैं। टेक्ट्रो लखनऊ एफसी के साथ अकादमी का सहयोग खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अवध म्यूटिनियर्स स्पोर्ट्स क्लब की इस उपलब्धि से जिले के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के फुटबॉल क्षेत्र को भी नई पहचान मिली है।

164 अकादमियों के बीच हासिल किया प्रतिष्ठित स्थान

एआईएफएफ एक्रेडिटेशन के लिए इस वर्ष देशभर से 164 फुटबॉल अकादमियों ने आवेदन किया था। इनमें से 142 अकादमियों को मान्यता मिली। हालांकि 4-स्टार और 5-स्टार श्रेणी में केवल 16 अकादमियां ही पहुंच सकीं। यह मान्यता अकादमी की प्रशिक्षण व्यवस्था, खिलाड़ियों के विकास, आधारभूत सुविधाओं, प्रशासनिक व्यवस्था और फुटबॉल को बढ़ावा देने के प्रयासों के आधार पर दी गई है।

खेल प्रशिक्षण के साथ शिक्षा और विकास पर जोर

क्लब की ओर से बताया गया कि खिलाड़ियों के तकनीकी कौशल, शिक्षा, खेल विज्ञान और व्यक्तिगत विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। नियमित प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को प्रतिस्पर्धी फुटबॉल के लिए तैयार किया जा रहा है।

एआईएफएफ की 4-स्टार मान्यता मिलने के बाद अकादमी अब देश की प्रमुख फुटबॉल अकादमियों की सूची में शामिल हो गई है।

आलापुर के नए एसडीएम धर्मेंद्र सिंह का समाजसेवियों ने किया स्वागत

पुष्पगुच्छ, पौधा और अशोक स्तंभ की प्रतिकृति भेंट कर दी गई शुभकामनाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर (अम्बेडकरनगर)। तहसील क्षेत्र में शनिवार को नवागत उपजिलाधिकारी धर्मेंद्र सिंह का समाजसेवियों ने स्वागत किया। आलापुर तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पुष्पगुच्छ, पौधा, अंगवस्त्र और राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ की प्रतिकृति भेंट की गई।

स्वागत कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी रमेश मौर्य की पहल पर किया गया। इस दौरान आदर्श मानव समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष घनश्याम गौतम, नव्या ग्रीन फाउंडेशन के अध्यक्ष नीरज मौर्य, भारतीय किसान यूनियन (अ.) के जिलाध्यक्ष कुलदीप मौर्य, ग्राम प्रधान शाहपुर औराव दीपक मौर्य सहित कई लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान आदर्श मानव समाज सेवा संस्थान की ओर से उपजिलाधिकारी को पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके बाद ग्राम प्रधान दीपक मौर्य, रणविजय मौर्य और राहुल कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। समाजसेवी रमेश मौर्य, नीरज मौर्य और कुलदीप मौर्य ने अंगवस्त्र एवं अशोक स्तंभ की प्रतिकृति भेंट की।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (अ.) के जिलाध्यक्ष कुलदीप मौर्य ने किसानों से जुड़ी समस्याओं को उठाया। उन्होंने खाद की उपलब्धता और नहरों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग रखी।

वहीं नव्या ग्रीन फाउंडेशन के अध्यक्ष नीरज मौर्य ने अधिक से अधिक पौधारोपण कराने और हरे पेड़ों की अवैध कटाई रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फास्ट न्यूज

पुलिस जनसुनवाई में सुनी गईं फरियादियों की शिकायतें

अम्बेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में सोमवार को आयोजित नियमित जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं और प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

भाजपा की मासिक बैठक में तकनीकी सशक्तिकरण पर जोर

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। स्थानीय शक्ति केंद्रों पर सोमवार को पार्टी की मासिक बैठक नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों से जोड़ने पर चर्चा की गई। बैठक में मीडिया प्रभारी विकास निषाद ने कार्यकर्ताओं को सरल एप के माध्यम से डिजिटल लर्निंग की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तकनीक के बेहतर उपयोग से कार्यकर्ता संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकते हैं।

उपज के स्थापना दिवस पर गौशाला में गोसेवा और वृक्षारोपण

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आलापुर तहसील क्षेत्र स्थित कसदहा गौशाला में गोसेवा और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने गोवंशों को फल खिलाए तथा परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जनसुनवाई बनी सहारा, महिला को वापस मिले 21,977 रुपये

जन सेवा केंद्र संचालक पर रकम रोकने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

- पुलिस की कार्रवाई के बाद महिला को मिले 21,977 रुपये
- शिकायत पर तुरंत सक्रिय हुई पुलिस, जांच के बाद वापस कराई गई पूरी धनराशि

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में दर्ज शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अलीगंज पुलिस ने एक महिला को उसके बैंक खाते से निकाली गई 21,977 रुपये की धनराशि वापस दिला दी। शिकायत दर्ज होने के छह दिन के भीतर मामले का निस्तारण होने के बाद महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई के लिए आभार जताया। पुलिस के अनुसार, अलीगंज थाना क्षेत्र के चन्दौली गांव निवासी गीता देवी ने 13 जुलाई को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आलमपुर शेखपुरा निवासी अमरनाथ, जो जन सेवा केंद्र का संचालन करता है, ने अलग-अलग तिथियों में आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से उनके बैंक खाते से कुल 21,977 रुपये निकाले, लेकिन राशि उन्हें नहीं दी। आरोप के मुताबिक, पैसे मांगने पर नेटवर्क संबंधी समस्या का हवाला देकर उन्हें लगातार टाला जाता रहा।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने अलीगंज पुलिस को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

होमगार्ड की नौकरी का झांसा देकर 70 हजार ठगी का आरोप

फर्जी पहचान पत्र दिखाने की शिकायत युवक ने एसपी से की शिकायत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में होमगार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर 70 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। एक युवक ने आरोपी पर फर्जी पहचान पत्र, सरकारी मुहर और पुलिस अधीक्षक के कथित जाली हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर विश्वास में लेने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। कटरिया याकूबपुर निवासी अमन कुमार पुत्र राजितराम ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि काशीराम आवास, कटरिया याकूबपुर निवासी रवि पाण्डेय ने उसे होमगार्ड में नौकरी लगवाने का भरोसा दिया था। आरोप है कि नौकरी के लिए एक लाख रुपये की मांग की गई थी। इसमें 70 हजार रुपये पहले और 30 हजार रुपये नौकरी ज्वाइन करने के बाद देने की बात कही गई थी।

अमन कुमार का आरोप है कि रवि पाण्डेय ने उसे विश्वास में लेने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय की कथित मुहर और जाली हस्ताक्षर से तैयार होमगार्ड का पहचान पत्र दिखाया। इसके बाद उसने आरोपी को 70 हजार रुपये नकद दे दिए। पीड़ित के अनुसार, बाद में जब उसने पहचान पत्र की जांच कराई तो वह फर्जी निकला। इसके बाद उसे अपने साथ हुई ठगी की जानकारी हुई। पीड़ित ने शिकायत में आरोप लगाया कि सरकारी मुहर और अधिकारी के नाम का कथित रूप से गलत इस्तेमाल किया गया। उसने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और दस्तावेजों के दुरुपयोग से संबंधित धाराओं में कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच की जाएगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विद्यालयों से सड़कों तक गूंजा सड़क सुरक्षा का संदेश

नुक्कड़ नाटक और प्रतियोगिताओं से बढ़ी जागरूकता

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला प्रशासन और आईआईटी मद्रास के सहयोग से संचालित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया। अभियान का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में सुरक्षित सड़क व्यवहार की आदत विकसित करना और सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। अभियान के तहत जिले के कई प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। डीएवी इंटर कॉलेज टांडा के विद्यार्थियों ने जुबेर चौराहा, तक्षशिला एकेडमी लोरपुर ताजन ने शहजादपुर फाटक तिराहा, रेडिएंट सेंट्रल चिल्ड्रेन एकेडमी जलालपुर ने रामलीला मैदान और न्यू लाइट नर्सरी स्कूल सिकंदरपुर ने लोरपुर चौराहे पर प्रस्तुति दी। इसी तरह ग्लोबल विजडम स्कूल अकबरपुर के विद्यार्थियों ने शिव बाबा धाम, डालमिस एनटीपीसी स्कूल टांडा ने एनटीपीसी प्लांट गेट, रजत पब्लिक स्कूल सैदपुर ने सर्विस रोड ताराबुद्द मार्ग, आरपीआरएन पब्लिक स्कूल रामपुर सकरवारी ने शिवरा नाली चौराहा, ब्रेनसीड इंटरनेशनल स्कूल टांडा ने मेडिकल कॉलेज सैदपुर के सामने, सेंट पॉल्स स्कूल अकबरपुर ने गांधी आश्रम ओवरब्रिज के नीचे और डिवाइन पब्लिक स्कूल ने पुलिस चौकी शहजादपुर पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए।

आलापुर के खतमीपुर गांव की घटना, बचाव के दौरान पिता भी घायल, जांच में जुटी पुलिस

करंट की चपेट में आई महिला को बचाने गई रीमा की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर (अम्बेडकरनगर)। आलापुर थाना क्षेत्र के खतमीपुर गांव में सोमवार सुबह विद्युत स्पर्शाघात से एक विवाहिता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घर के बाहर लगे लोहे के चैनल गेट में करंट उतर आया था। एक महिला को बचाने के प्रयास में विवाहिता खुद करंट की चपेट में आ गई। हादसे में उसके पिता भी घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रीमा ने सुनीता को करंट से अलग करने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान वह खुद चैनल गेट में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गईं। वह गेट से चिपक गईं।

शोर सुनकर रीमा के पिता रामशरण और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने लकड़ी और डंडे की मदद से बिजली के तार को अलग किया और दोनों को करंट से मुक्त कराया। इसके बाद रीमा को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं रामशरण का उपचार कराया गया। घटना की सूचना पर आलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने घरों के आसपास खुले विद्युत तारों को हादसे की वजह बताते हुए बिजली विभाग से उन्हें ठीक कराने की मांग की है।

छाता के तार से संपर्क के बाद फैला करंट

ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार सुबह बारिश के दौरान गांव की सुनीता पत्नी प्रेमचंद दूध लेने रीमा के घर पहुंची थीं। बारिश से बचने के लिए वह छाता लगाए थीं। आरोप है कि छाते की धातु की छड़ घर के बाहर खुले विद्युत तार के संपर्क में आ गई।

इसके बाद करंट छाते के माध्यम से लोहे के चैनल गेट तक पहुंच गया, जिसकी चपेट में आने से सुनीता गिर गईं। यह देखकर रीमा उन्हें बचाने के लिए दौड़ीं।

> मृतका की पहचान रीमा चौहान (23) पत्नी बृजमोहन के रूप में हुई है। वह अहिरौली थाना क्षेत्र के जमदरा गांव की रहने वाली थीं और इन दिनों अपने मायके खतमीपुर गांव में रह रही थीं। उनकी छह माह की बेटी भी है।

धान क्रय केंद्र मामले में बढ़ीं धाराएं नामजद आरोपी की मुश्किलें बढ़ी

एफआईआर में जोड़ी गईं अतिरिक्त धाराएं, पुलिस ने शुरू की नए सिरे से जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। धान क्रय केंद्र में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में दर्ज मुकदमे में पुलिस ने अतिरिक्त धाराएं बढ़ा दी हैं। एफआईआर में कुछ महत्वपूर्ण धाराओं के शामिल नहीं होने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए धाराओं में बढ़ोतरी की है। अब मामले की विवेचना इन्हीं धाराओं के तहत की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, धान खरीद से जुड़े मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद एफआईआर में कुछ कानूनी प्रावधानों के शामिल नहीं होने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद मामले को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के संज्ञान में लाया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से बताया गया कि अगले दिन ही मुकदमे में छूटी हुई धाराएं जोड़ दी गईं।

थाना प्रभारी ने भी पुष्टि की कि 16 जुलाई 2026 को मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं बढ़ाई गई हैं। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ा दी है।

धान क्रय केंद्र में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रकाशित खबर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। मामले में दुर्गा प्रसाद पांडेय को नामजद आरोपी बनाया गया है। अतिरिक्त धाराएं जुड़ने के बाद अब पुलिस जांच का दायरा और बढ़ गया है।

जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर होगी कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, मामले की विवेचना जारी है। जांच के दौरान सभी संबंधित पक्षों की भूमिका और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, मुकदमे में आपराधिक विश्वासघात और सरकारी खरीद, भंडारण तथा वितरण से जुड़े नियमों के उल्लंघन से संबंधित प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। इन धाराओं के तहत मामले की जांच की जा रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की मसड़ा मोहनपुर शाखा में 119वां स्थापना दिवस मनाया

तमसा संकेत, संवाददाता

- केक काटकर मनाया गया स्थापना दिवस, ग्राहकों को मिठाई खिलाकर दी गई शुभकामनाएं

बसखारी (अंबेडकरनगर)। मसड़ा मोहनपुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में सोमवार को बैंक का 119वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाखा परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया और सुबह से ही बैंक परिसर की विशेष साफ-सफाई कराई गई। स्थापना दिवस के मौके पर बैंक कर्मचारियों ने केक काटकर समारोह की शुरुआत की और शाखा में पहुंचे ग्राहकों का मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान उप शाखा प्रबंधक संतोष भारती ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा लगातार ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनकी जमा पूंजी की सुरक्षित देखभाल की जिम्मेदारी भी निभा रहा है। आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है।

स्थापना दिवस समारोह के लिए शाखा कार्यालय को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। उप शाखा प्रबंधक संतोष भारती और हेड कैशीयर भैरदीन यादव के नेतृत्व में कर्मचारियों ने पूरे बैंक परिसर को उत्सव का स्वरूप दिया। बैंक में नियमित बैंकिंग कार्य कराने आए खाताधारकों और अन्य ग्राहकों का मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। कर्मचारियों ने उन्हें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

आवेदन : बसखारी ब्लॉक सबसे आगे 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन का मौका

पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार की दौड़ में 35 ग्राम पंचायतें

तमसा संकेत, संवाददाता

विकास कार्यों और उपलब्धियों के आधार पर होगा मूल्यांकन

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना-2026 के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। जुलाई माह में अब तक जिले की 35 ग्राम पंचायतों ने पुरस्कार के लिए आवेदन किया है। आवेदन प्रक्रिया अभी चल रही है, ऐसे में आवेदनों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

जिला प्रशासन ने पात्र ग्राम पंचायतों को तय समय सीमा के भीतर पंचायत राज विभाग के पोर्टल पर आवेदन करने के निर्देश दिए हैं। अब तक प्राप्त आवेदनों में बसखारी विकासखंड की ग्राम पंचायतें सबसे आगे हैं। यहां से आठ आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राम पंचायतों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तरीय समिति पंचायतों के कार्यों का मूल्यांकन करेगी। चयनित पंचायतों के प्रस्ताव राज्य स्तर पर भेजे जाएंगे। अंतिम चयन के बाद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार राशि का उपयोग ग्राम विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों में किया जा सकेगा। इसमें स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना, कूड़ा प्रबंधन, पेयजल सुविधा, जल संरक्षण, पंचायत भवन का सुधार, सड़क और नाली निर्माण, प्रकाश व्यवस्था तथा डिजिटल व प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाना शामिल है।

कटेहरी, अकबरपुर और भियांव से आए पांच-पांच आवेदन

विकासखंडवार आंकड़ों के अनुसार कटेहरी, अकबरपुर और भियांव विकासखंड से पांच-पांच ग्राम पंचायतों ने आवेदन किया है। वहीं जलालपुर से चार, रामनगर से तीन, टांडा और भीटी से दो-दो तथा जहांगीरगंज से एक ग्राम पंचायत का आवेदन प्राप्त हुआ है।

जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र पांडेय ने बताया कि ग्राम पंचायतें 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के लिए पंचायतों को 100 अंकों की प्रश्नावली भरनी होगी। इसके साथ ही विकास कार्यों, उपलब्धियों और नवाचारों से जुड़े दस्तावेज भी पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।

13 बीघा जमीन के कथित फर्जी बैनामे का मामला

न्यायालय के आदेश पर जलालपुर पुलिस ने की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। जलालपुर कोतवाली पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर 13 बीघा कृषि भूमि के कथित फर्जी बैनामे और धोखाधड़ी के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई अलीगंज थाना क्षेत्र के आसोपुर निवासी दारा प्रजापति की शिकायत पर की गई है।

दर्ज मुकदमे में जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के गोलपुर निवासी ओम प्रकाश, यादवपुर इल्तेफातगंज निवासी आदित्य प्रसाद और हंसवर थाना क्षेत्र के नसीराबाद निवासी केसराम यादव को आरोपी बनाया गया है। दारा प्रजापति ने शिकायत में बताया कि वर्ष 2019 में उन्होंने ओम प्रकाश से जलालपुर तहसील क्षेत्र के गोलपुर स्थित अलग-अलग गाटा संख्याओं की करीब 13 बीघा भूमि का पंजीकृत बैनामा कराया था।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में जानकारी हुई कि इस भूमि में शामिल गाटा संख्या 327 और 328 का हिस्सा ओम प्रकाश वर्ष 2016 में ही किसी अन्य व्यक्ति को बेच चुके थे। इसके बावजूद उसी भूमि का दोबारा उनके नाम बैनामा कर दिया गया। दारा प्रजापति ने आरोप लगाया कि आदित्य प्रसाद और केसराम यादव ने पूरे मामले में मध्यस्थ की भूमिका निभाई और कथित रूप से दोबारा बैनामा कराने में सहयोग किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने पहले थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय की शरण ली।

सम्पादकीय

हंगामे के आसार

विपक्षी दलों ने संसद के मानसून सत्र के पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक का जिस तरह थोड़ी देर के लिए ही सही बहिष्कार किया, उससे यह अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है कि यह सत्र हंगामे से भरा रहने वाला है। विपक्षी दलों ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार इसलिए किया, क्योंकि इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए गुट को भी बुलाया गया था। इससे केवल यही नहीं स्पष्ट होता कि विपक्ष इस बैठक के बहिष्कार का बहाना तलाश कर रहा था, बल्कि यह भी पता चलता है कि वह अपने बिखराव का दोष भी सत्ता पक्ष पर मढ़ना चाहता है।

संसद के पिछले सत्र के मुकाबले इस समय तस्वीर बहुत बदली हुई है। पिछले सत्र में विपक्ष इसलिए उत्साहित था कि उसने महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को दो तिहाई बहुमत से पारित नहीं होने दिया था। इस विधेयक के पारित न होने से विपक्ष की एकजुटता को बल मिला था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है और इसके लिए विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व का दावा करने वाली कांग्रेस भी जिम्मेदार है। उसने तमिलनाडु में जिस तरह सत्ता के लोभ में द्रमुक का साथ छोड़ा, उसका परिणाम यह हुआ कि उसने कांग्रेस से दूरी बना ली और अब वह संसद में उसके साथ बैठने के लिए भी तैयार नहीं है।

यदि यह मान भी लिया जाए कि पश्चिम बंगाल में पराजय के बाद तृणमूल कांग्रेस में बिखराव भाजपा के समर्थन और प्रोत्साहन से हुआ तो इसका जवाब तो कांग्रेस को ही देना होगा कि तमिलनाडु में उसका सबसे करीबी सहयोगी दल उससे क्यों छिटक गया?

पिछले सत्र के मुकाबले इस सत्र के आने तक विपक्ष की कमजोरी का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना में भी विभाजन हो गया और अब इसके कयास लगाए जा रहे हैं कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी भाजपा की अगुआई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए तैयार है।

कुल मिलाकर इस समय विपक्ष न केवल बिखरा हुआ दिख रहा है, बल्कि हताश एवं निराश भी। इस स्थिति में संसद के इस सत्र में आए दिन हंगामा देखने को मिल सकता है। निश्चित रूप से विपक्ष के उन मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी ही चाहिए, जिनका उल्लेख उसकी ओर से सर्वदलीय बैठक में किया गया। बात चाहे राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की हो अथवा नीट पेपर लीक की-इन सब मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी ही चाहिए, लेकिन यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि विपक्ष अपनी ओर से उठाए गए मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही को लेकर आग्रही रहेगा अथवा हंगामा करने के लिए? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अब विपक्ष संसद में जनता से जुड़े मुद्दों पर कोई सार्थक चर्चा के स्थान पर हंगामा करना ही सही समझता है।

सहन करो सफल बनो

एक सूक्ति हैं सहन करो-सफल बनो । गुरुदेव के मुख से भी यही हमको आशीर्वाद मिलता हैं कि - कोई कितना भी ग़ुस्सा कर ले हमें समता भाव रखना हैं ।10 मिनट का क्रोध 600 सेकंड की प्रसन्नता छीन लेता है। माचिस की तीली के सर तो होता है पर दिमाग़ नही होता हैं । अतः यह थोड़ा रगड़ खाने से सुलग उठती है । हमारे पास तो सर दिमाग़ दोनों है फिर हम उत्तेजित एवं क्रोधित होकर अपनी प्रसन्नता को आग क्यों लगाएं ? वह जहां सामुदायिक जीवन होता है, वहां व्यवस्था तंत्र की और अनुशासन की भी आवश्यकता हो सकती है। मनुष्य सामुदायिक जीवन जीता है। इस दुनिया में देखें तो चाहे देश हो, राष्ट्र, प्रान्त, नगर आदि- आदि हर जगह एक शासन प्रणाली चलती है। भले कहीं राजतांत्रिक प्रणाली हो अथवा लोकतांत्रिक प्रणाली हो, सभी जगह एक मुखिया होता है। राजतंत्र में राजा का प्राधान्य और लोकतांत्रिक प्रणाली में मंत्री, प्रधानमंत्री आदि-आदि होते हैं। जहां मनुष्य का सामुदायिक जीवन होता है, वहां एक शासन प्रणाली होती है। प्रश्न हो सकता है कि शासन प्रणाली की क्या आवश्यकता, जिसका जैसा मन हो, आदमी वैसा करे। शासन प्रणाली भी आवश्यक होती है। आदमी को भोजन, मकान, आदि-आदि अपेक्षित होती है, जिसकी प्राप्ति उसके लिए अभिष्ट होती है। एक आदमी के पास रोटी है और कोई दूसरा उससे रोटी छिन ले जाए। मकान किसी और का है और कोई दूसरा उसको जबरदस्ती वहां से भगाकर स्वयं रहने लग जाए तो ऐसे में आदमी शांति से जीवन कैसे जी सकता है? इसलिए जीवन को शांति और सुचारू ढंग से चलाए रखने के लिए शासन प्रणाली की अपेक्षा होती है। किसी के स्वभाव में सहनशीलता होना दुर्बलता नहीं है अपितु उच्च कोटि की परिपक्वता है । वह जो व्यक्ति दूसरों के अप्रिय व्यवहार से टूटता ही नजर आता है । वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाता । वह अपने मन की जड़ें कभी मजबूत नहीं कर पाता हैं । सहनशीलता का मतलब यह नहीं कि अन्याय स्वीकार करे बल्कि यह समझना है कि गुस्से से कुछ नहीं सुधरता हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

66

ब्रज क्षेत्र और देश भर के प्रमुख संत समाज, जिसमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद भी शामिल है, ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति और शाही ईदगाह मस्जिद के स्थान पर भव्य मंदिर के निर्माण के लिए आगामी 9 अगस्त 2026 को सांकेतिक रूप से 'कार सेवा' करने का एक बड़ा और ऐतिहासिक ऐलान किया है।

'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया'

'योगी की जय कन्हैया व टेंशन में है अखिलेश भैया'—यह महज उत्तर प्रदेश की राजनीति में उपजा एक नया नारा या तात्कालिक राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। असल में, यह आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की पिच तैयार करने, राज्य की राजनीति को एक बड़े वैचारिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने और विपक्ष की सामाजिक घेराबंदी करने का एक बेहद दूरगामी और सुनियोजित खाका है। हाथरस की जनसभा से लेकर संभल, बुलंदशहर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम मंचों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव को जिस प्रकार 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' और ब्रज संस्कृति के मुद्दे पर घेरा है, उसने सपा के रणनीतिकारों और थिंक-टैंक को एक बेहद गहरी 'टेंशन', कशमकश और राजनीतिक असमंजस में डाल दिया है।

यह नारा इस समय के पूरे सियासी घमासान के ऐतिहासिक संदर्भों, चुनावी गणित, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उभार, समाजवादी पार्टी के सामने खड़ी अस्मितावादी दुविधा और भारतीय लोकतंत्र पर इसके पड़ने वाले व्यापक प्रभावों का एक अत्यंत निष्पक्ष, गंभीर और विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। हमें उत्तर प्रदेश की राजनीति को समझने के लिए देश के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास को समझना अनिवार्य है। भारतीय राजनीति में पिछले चार दशकों से 'अयोध्या, काशी और मथुरा' की तिकड़ी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और दक्षिणपंथी विमर्श के केंद्र में रही है। जनवरी 2024 में अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक और राजनीतिक एजेंडे में स्वाभाविक रूप से अगला सबसे बड़ा पड़ाव मथुरा की 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' है। यह ताजा राजनीतिक विवाद तब और अधिक गर्मा गया जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में हुए राम मंदिर के चढ़ावे में कथित 'चोरी, वित्तीय अनियमितताओं और भूमि घोटालों' का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बयान दिया कि यदि भविष्य में प्रदेश में उनकी सरकार आती है, तो वे अयोध्या को एक आदर्श 'धार्मिक नगरी' के रूप में और बेहतर ढंग से विकसित करेंगे ताकि वहां के स्थानीय निवासियों को असुविधा न हो।अखिलेश यादव के इसी आक्रामक दांव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद तीखा और रणनीतिक पलटवार किया। योगी ने जनसभाओं से सीधे तौर पर अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा:₹अखिलेश जी, आप अयोध्या की चिंता छोड़िए, पहले अपने अतीत के फैसलों पर पश्चाताप करिए और एक बार प्रभु श्रीरामलला के चरणों में जाकर दर्शन कर आइए, जिससे आपको सद्बुद्धि आए। अगर आप वास्तव में खुद को धार्मिक और सनातनी साबित करना चाहते हैं, तो मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए खुलकर अपना स्टैंड साफ करिए।₹योगी आदित्यनाथ का यह तीखा बयान सपा को उसी की 'सॉफ्ट हिंदुत्व' और 'यदुवंशी' (यादव) पहचान की पिच पर घेरने की एक सोची-समझी राजनीतिक चाल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस रणनीतिक घेराबंदी के पीछे कई ऐसे बिंदु हैं जो सीधे तौर पर बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को छूते हैं। योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषणों में लगातार जनता को यह याद दिलाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश के थानों, चौकियों और जेलों में पारंपरिक रूप से होने वाले 'कृष्ण जन्माष्टमी' के भव्य आयोजनों पर अघोषित या लिखित रूप से रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कांवड़ यात्राओं पर लगे पूर्ववर्ती प्रतिबंधों और लाठीचार्ज का भी जिक्र किया। इसके जरिए वे बहुसंख्यक हिंदू समाज के मन में यह संदेश गहरा करना चाहते हैं कि सपा का मूल चरित्र हमेशा से 'तुष्टिकरण' से प्रेरित रहा है और सत्ता में आते ही वे बहुसंख्यक धार्मिक आस्थाओं को दबाने का प्रयास करते हैं।

भाजपा ने विकास के आर्थिक मॉडल को धार्मिक आस्था और अस्मिता से जोड़कर एक नया नैरेटिव तैयार किया है। योगी आदित्यनाथ अक्सर अपने मंचों से कहते हैं कि 2017 से पहले जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा 'कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल' बनाने और विशेष त्योहारों के बिजली प्रबंधन में खर्च होता था, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार उसी पैसे को अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट के सौंदर्यीकरण तथा श्रद्धालुओं की बुनियादी सुविधाओं पर खर्च कर रही है। यह सीधा तुलनात्मक विमर्श आम जनता के बीच गहरी छाप छोड़ता है।

संतों ने सार्वजनिक रूप से अखिलेश यादव से सीधे तीखे सवाल किए हैं। संतों का कहना है कि यदि अखिलेश खुद को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज (यदुवंशी) मानते हैं, तो उन्हें इस पवित्र अभियान का खुलकर समर्थन करना चाहिए और कार सेवा के लिए 'पहला पत्थर' उठाने के लिए खुद आगे आना चाहिए। दरअसल अखिलेश यादव इस समय एक ऐसी त्रिशंकु स्थिति में फंस गए हैं जहां उनका हर एक कदम एक नया राजनीतिक जोखिम लेकर आ रहा है। इस 'टेंशन' के तीन मुख्य पहलू हैं: 1: 'एम-वाई' (M-Y) समीकरण के बिखरने का सीधा खतरा -समाजवादी पार्टी की मुख्य ताकत और चुनावी आधार पारंपरिक रूप से मुस्लिम (M) और यादव (Y) मतदाताओं के मजबूत और अटूट गठजोड़ पर टिका रहा है। योगी आदित्यनाथ ने मथुरा का मुद्दा उठाकर इसी गठजोड़ की सबसे कमजोर नस पर हाथ रख दिया है:यदि अखिलेश मथुरा आंदोलन का समर्थन करते हैं तो उनका सबसे वफादार और एकजुट 'मुस्लिम' वोटबैंक उनसे पूरी तरह से नाराज और ठगा हुआ महसूस कर सकता है, क्योंकि मुस्लिम समुदाय शाही ईदगाह मस्जिद के कानूनी और धार्मिक वजूद को बचाने के पक्ष में है। उन्हें लगेगा कि सपा भी भाजपा के 'बहुसंख्यकवाद' के आगे नतमस्तक हो गई है।यदि अखिलेश मथुरा आंदोलन का विरोध करते हैं: तो भाजपा और संत समाज उन्हें तुरंत 'सनातन विरोधी' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण का सबसे बड़ा पैरोकार' घोषित कर देंगे। इससे यादव समुदाय और अन्य पिछड़ी जातियों का वह बड़ा हिस्सा, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर अत्यधिक भावुक और सजग है, सपा से छिटक कर भाजपा के पाले में जा सकता है।अखिलेश यादव अक्सर रैलियों में और भगवान कृष्ण की मूर्तियां स्थापित करवाकर यह गर्व से कहते आए हैं कि भगवान कृष्ण मेरे भी सपने में आते हैं और हम उनके सच्चे वंशज हैं।

अशोक भाटिया

स्काईरूट का...

ज्ञान चंद पाटनी

'विक्रम-1 'के लिए जश्न के बीच इसरो पर भी ध्यान दें

प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने देश का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' सफलता-पूर्वक लॉन्च कर दिया है। इस तरह भारत ने अंतरिक्ष मिशन में एक और उपलब्धि दर्ज कर ली है। इसके साथ ही भारत वैश्विक निजी कक्षीय प्रक्षेपण बाजार में प्रवेश कर गया है। अंतरिक्ष सेक्टर को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद भारत में ऐसे स्टर्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में भारत में करीब चार सौ ऐसे स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। इनमें विदेश से भी खूब निवेश हो रहा है। जाहिर है उनके पास पैसे की कमी नहीं है। स्टार्टअप्स इसरो से जुड़े वैज्ञानिकों को ज्यादा पैसा देकर आसानी से तोड़ सकते हैं। वे अपने मंसूबों में कामयाब भी हो रहे हैं, लेकिन इससे इसरो के राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए स्काईरूट एयरोस्पेस की सफलता पर जश्न मनाने के साथ इस बात का भी आकलन किया जाना चाहिए कि कहीं इस प्रक्रिया में इसरो जैसे संस्थान तो हाशिए पर नहीं जा रहे हैं। निश्चित ही भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। एक समय था जब उपग्रह, प्रक्षेपण यान और तकनीकी नवाचार लगभग पूरी तरह सरकारी संस्था इसरो के दायरे में आते थे। आज यह क्षेत्र स्टार्टअप्स, निजी निवेश, अंतरराष्ट्रीय

साझेदारी और व्यावसायिक लॉन्च सेवाओं की नई दुनिया बन रहा है। यह बदलाव देश के लिए अवसरों से भरा है, लेकिन इसके साथ ही कुछ गंभीर सवाल भी खड़े करता है—खासकर तब, जब इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों के निजी कंपनियों में जाने की खबरें आ रही हैं। 2023 की भारतीय अंतरिक्ष नीति ने इसरो के ऑपरेशनल स्पेस सिस्टम, रॉकेट निर्माण और सैटेलाइट असेंबलिंग जैसे कामों को निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स को आउटसोर्स करने का रास्ता खोल दिया। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने का यह कदम इसरो पर भारी पड़ा। निजी इकाइयों को वही वैज्ञानिक चाहिए जो इसरो के काम और सिस्टम को जानते हों। इसके लिए वैज्ञानिकों को ज्यादा वेतन देकर इसरो से बाहर खींचने का सिलसिला शुरू हो गया। इसरो की असली ताकत उसके लोगों में है; उन्हें संरक्षित किए बिना हम तकनीकी स्वायत्तता और सार्वजनिक हित की सुरक्षा नहीं कर पाएंगे।

यह मामला केवल इसरो बनाम प्राइवेट सेक्टर का नहीं है। असली मुद्दा यह है कि क्या भारत एक ऐसा संतुलित मॉडल बना पा रहा है जिसमें राष्ट्रीय शोध संस्थानों की ताकत बनी रहे, निजी नवाचार को भी जगह मिले और प्रतिभा का पलायन किसी एक दिशा में असंतुलन पैदा न करे। अंतरिक्ष जैसे रणनीतिक क्षेत्र में यह संतुलन बहुत नाजुक होता है। यदि यह बिगड़ा, तो लाभ के साथ हानि भी हो सकती है। अंतरिक्ष क्षेत्र अब महज वैज्ञानिक प्रतिष्ठा का विषय नहीं रहा। यह संचार, नेविगेशन, रक्षा, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, कृषि, शहरी नियोजन और इंटरनेट सेवाओं से जुड़ा क्षेत्र बन चुका है। इसी कारण भारत ने नीति स्तर पर इस क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला। सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 जारी की, 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी और इन—स्पेस जैसे संस्थागत ढांचे को निजी कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के बीच पुल के रूप में विकसित किया। नतीजे सामने आए। स्काईरूट, अग्निकुल, पिक्सेल और गैलेक्सआई जैसी कंपनियां बनीं।

स्काईरूट का विक्रम-एस और विक्रम-1 जैसे मिशनों तक पहुंचना बताता है कि भारत में निजी क्षेत्र अब केवल सहायक भूमिका में नहीं, बल्कि तकनीकी नेतृत्व की भूमिका में भी आगे बढ़ रहा है। स्पेस स्टार्टअप्स की संख्या में तेज बढ़ोतरी इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण है। कुछ समय पहले तक यह क्षेत्र लगभग सीमित दायरे में था, वहीं अब सैकड़ों कंपनियाँ इसमें सक्रिय हैं।

विकसित भारत के निर्माण में कदम बढ़ाती बागपत की युवा शक्ति

भारत को वर्ष 2047 तक एक पूर्ण विकसित, आत्मनिर्भर और ज्ञान-आधारित वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में देश की युवा आबादी को भविष्य की आवश्य-कताओं के अनुरूप तैयार करना केंद्र व प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमि-कताओं में शामिल है। इस राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत युवाओं को आधुनिक कौशल, उन्नत तकनीक और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर पहल की जा रही है। 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए देश के शैक्षणिक व कौशल ढांचे को उद्योग जगत की भावी जरूरतों के अनुकूल ढाला जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कौशल विकास अभियानों के एकीकृत समन्वय से युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। सरकार का मुख्य उद्देश्य केवल पारंपरिक प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं में डिजिटल साक्षरता और तकनीकी दक्षता को इस स्तर तक बढ़ाना है कि वे वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण पहुँचाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का तेजी से कायाकल्प किया जा रहा है।

विकसित भारत के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर उतारने की दिशा में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा जिला स्तरीय कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट संचालित किए जा रहे हैं। इस राष्ट्रीय पहल के तहत उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद का चयन एक ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश के केवल दो चुनिंदा जनपदों में बागपत का चयन होना यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहाँ की युवा क्षमता, सामाजिक ऊर्जा और विकास की अपार संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से स्वीकार किया गया है।

बागपत जनपद में लगभग 4 लाख 70 हजार युवाओं की विशाल आबादी निवास करती है, जो इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जनसांख्यिकी शक्ति है। यहाँ के युवा कृषि, खेल, नवाचार, सामाजिक क्षेत्र और स्वरोजगार के क्षेत्र में निरंतर नई पहचान बना रहे हैं। इस पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से बागपत के युवाओं को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़कर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यहाँ विकसित होने वाला कौशल आधारित विकास मॉडल युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नई दिशा तय करेगा।

वर्तमान समय में सबसे बड़ी व्यावहारिक चुनौती सूचना और अवसरों के बीच का अंतर है। बड़ी संख्या में युवाओं को यह जानकारी ही नहीं हो पाती कि उनके लिए कौन-कौन सी योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, डिजिटल अवसर और रोजगार आधारित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इस इन्फॉर्मेशन गैप को समाप्त करने तथा युवाओं तक एकीकृत रूप से जानकारी पहुँचाने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। जिला प्रशासन, कौशल विकास, शिक्षा, उद्योग, युवा कल्याण, सेवायोजन और 'माय भारत' जैसे सभी संबंधित प्लेटफार्म्स की एकीकृत कार्ययोजना क्रियान्वित की जा रही है।

जरा हटके

यह नीति केवल ...

सी0एल0 सिंह

नई आबकारी निर्यात नीति से उत्तर प्रदेश बनेगा वैश्विक स्तर पर निर्यात हब

किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति केवल उत्पादन बढ़ाने से नहीं, बल्कि उसके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की क्षमता से निर्धारित होती है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के इस प्रतिस्पर्धी दौर में वही राज्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिन्होंने उद्योग, कृषि, निवेश और निर्यात को एकीकृत विकास मॉडल के रूप में अपनाया है। उत्तर प्रदेश भी इसी दिशा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने औद्योगिक विकास, निवेश और निर्यात को नई गति देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक तीन वर्षों के लिए पृथक आबकारी निर्यात नीति लागू करने का फैसला किया है। इस दूरदर्शी पहल के साथ उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने पहली बार तीन वर्षीय अलग आबकारी निर्यात नीति लागू की है।

यह नीति केवल आबकारी उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि, उद्योग, निवेश, रोजगार और वैश्विक व्यापार को एक साझा विकास दृष्टि से जोड़ने वाली व्यापक आर्थिक रणनीति है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में निर्मित उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार करना, निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी वातावरण उपलब्ध कराना तथा प्रदेश को वैश्विक निर्यात मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाना है। उत्तर प्रदेश अब अल्पकालिक प्रशासनिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक आर्थिक नियोजन की दिशा में प्रभावी कदम उठा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। बेहतर कानून-व्यवस्था, निवेशक-अनुकूल नीतियां, विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, आधुनिक लॉजिस्टिक्स, सिंगल विंडो प्रणाली तथा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार ने प्रदेश को निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाया है। अब सरकार का लक्ष्य इन औद्योगिक उपलब्धियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना है। नई आबकारी निर्यात नीति इसी व्यापक सोच का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को एक मजबूत विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की यह नीति कृषि और उद्योग के बीच एक सशक्त आर्थिक सेतु का कार्य करेगी। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है। इसके साथ ही प्रदेश में बड़े पैमाने पर अनाज, फल एवं अन्य कृषि उत्पादों का उत्पादन होता है। इन कृषि संसाधनों पर आधारित डिस्टिलरी, एथेनॉल एवं संबंधित उद्योगों को नई नीति से विशेष लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल का अधिक उपयोग होने से किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन होगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी। यह नीति केवल उद्योगों को ही नहीं, बल्कि लाखों किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

इस नीति के तहत निर्यात को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण रियायतें प्रदान की हैं। नई नीति के अंतर्गत निर्धारित उत्पादन क्षमता के 25 प्रतिशत तक के समतुल्य निर्यात के लिए उपयोग करने वाले निर्यातकों हेतु बोतल भराई शुल्क, निर्यात पास शुल्क, फ्रेंचाइजी शुल्क तथा स्पेशल फीस की दरों को न्यूनतम स्तर तक कम कर दिया है। इससे निर्यात लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी और उत्तर प्रदेश में निर्मित उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। साथ ही ब्रांड पंजीकरण एवं लेबल अनुमोदन की प्रक्रिया को भी सरल और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे उद्योगों का समय और लागत दोनों बचेंगे तथा व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। नई आबकारी निर्यात नीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रावधान शीरा आधारित एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (म्छ।) के अंतर्राज्यीय निर्यात से संबंधित है। प्रदेश सरकार ने इस पर लगने वाले शुल्क को घटाकर मात्र 50 पैसे प्रति बल्क लीटर तक कम कर दिया है। यह निर्णय प्रदेश की डिस्टिलरी इकाइयों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। इससे उत्तर प्रदेश में निर्मित ईएनए अन्य राज्यों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध होगा और राज्य की औद्योगिक इकाइयों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ने की संभावनाएं और अधिक मजबूत होंगी। सरकार ने इस नीति में केवल निर्यात बढ़ाने पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया है, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान को भी वैश्विक मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया है। नीति के अंतर्गत हेरिटेज मदिरा के निर्माण, टेस्टिंग टैवर्न तथा फुटकर बिक्री की अनुमति का प्रावधान किया गया है। यह पहल प्रदेश की पारंपरिक उत्पाद संस्कृति को नई पहचान प्रदान करेगी। विश्व के अनेक देशों में स्थानीय पेय उत्पाद वहां की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन का महत्वपूर्ण आकर्षण होते हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश भी अपनी ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय उत्पादों को आर्थिक अवसरों में परिवर्तित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

नई आबकारी निर्यात नीति का प्रभाव केवल डिस्टिलरी उद्योग तक सीमित नहीं रहेगा। जैसे-जैसे निर्यात गतिविधियां बढ़ेंगी, वैसे-वैसे पैकेजिंग उद्योग, परिवहन सेवाएं, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, कंटेनर लॉजिस्टिक्स, निर्यात आपूर्ति श्रृंखला तथा अन्य सहायक उद्योगों में भी निवेश बढ़ेगा।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सैकड़ों नागरिकों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक फरियादी से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं प्रकरणों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग दो दर्जन जनपदों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उप मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और एक-एक फरियादी की बात गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनी।

इस अवसर पर भूमि एवं राजस्व विवाद, अवैध कब्जे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत, पेयजल, पुलिस प्रशासन, शिक्षा, रोजगार सहित विभिन्न विषयों से संबंधित प्रकरण उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए गए। श्री मौर्य ने सभी मामलों का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री मौर्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण केवल औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही, उदासीनता अथवा अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। लापरवाही करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सैकड़ों नागरिकों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

जनता दर्शन सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद का मजबूत माध्यम

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद का मजबूत माध्यम है। जनता की समस्याओं को सुनना, उनका समाधान करना और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और किसी भी पीड़ित नागरिक को न्याय प्राप्त करने के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

1300 कारीगरों को मिलेगा प्रशिक्षण व निःशुल्क टूलकिट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उपायुक्त उद्योग लखनऊ जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ ने बताया है कि प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, लोहार, सुनार, धोबी, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री ट्रेडो के पारम्परिक कारीगरों की आजीविका के साधनों को सु.ढ़ीकरण करते हुए उनके जीवन स्तर को उन्नत किए जाने के उदेश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित की गयी है। योजनान्तर्गत पारंपरिक कारीगरों को कौशल वृद्धि हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त एसेसमेंट के आधार पर आरपीएल सर्टिफिकेट व मानदेय प्रदान किया जाता है तथा योजनान्तर्गत सेवा/व्यवसाय के सफल संचालन हेतु आधुनिकतम तकनीक पर आधारित प्रशिक्षणोपरान्त निःशुल्क उन्नत टूलकिट लाभार्थियों को उपलब्ध करायी जाती है। तत्कम में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण एवं टूलकिट हेतु जनपद को भौतिक लक्ष्य 1300 आवंटित किया गया है। पोर्टल के माध्यम से प्राप्त पात्र आवेदन पत्रों को गठित समिति के माध्यम से स्कोर कार्ड के आधार पर चयन की पकिया पूर्ण की जायेगी। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना की विभागीय वेबसाइट www.msme.up.gov.in पर योजनान्तर्गत बढ़ई, हलवाई, टोकरी बुनकर, नाई, लोहार, सुनार, धोबी, कुम्हार, मोची, राजमिस्त्री आदि कुल 11 ट्रेडो में पारंपरिक कारीगरों के ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 31.07.2026 तक आमंत्रित किए जा रहे है।

फास्ट न्यूज

पार्किंग सिर्फ नक्शे पर नहीं चलेगी

लखनऊ। लखनऊ में कॉमर्शियल भवनों के बेसमेंट में पार्किंग की जगह दुकान, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलाने पर अब सख्ती होगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने नई व्यवस्था लागू करते हुए तय किया है कि अब कॉमर्शियल भवन का नक्शा पास कराने से पहले भवन स्वामी को गारंटी राशि जमा करनी होगी। यह राशि तभी वापस मिलेगी, जब मौके पर निर्धारित मानकों के अनुसार पार्किंग विकसित मिलेगी।

सोनम वांगचुक के समर्थन में सड़क पर उतरी आप

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को सोनम वांगचुक के समर्थन में आम आदमी पार्टी (AAP) के कार्यकर्ताओं ने 3:30 बजे प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोककर हिरासत में लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। कई कार्यकर्ताओं को घसीटते हुए बसों में बैठाकर इको गार्डन भेजा गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के समर्थन में कई वकील भी सड़क पर उतर आए। वकीलों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जता रहे थे।

पंचायत सहायकों का जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ के इको गार्डन में सोमवार को पंचायत सहायक कल्याण समिति के बैनर तले पंचायत सहायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। लंबे समय से लंबित मांगें पूरी न होने पर नाराजगी जताई। सरकार विरोध स्लोगन लिखीं तख्तियां लेकर नारेबाजी की। पंचायत सहायकों ने कहा कि वे वर्षों से ग्राम पंचायतों में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

6 जनपदों में राष्ट्रनायकों, महापुरूषों की प्रतिमाएं स्थापित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के महापुरूषों, नायकों, भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाले साहित्यकारों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियां स्थापित करायी गयी है। इसमें से सूर्यकुंड अयोध्या में भगवान सूर्य नारायण की 06 फीट खड़ी सैंड स्टोन की मूर्ति, गणेश कुंड अयोध्या में भगवान गणेश की 10 फीट खड़ी सैंड स्टोन की मूर्ति, अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी की 06 फीट बैठी हुई कांस्य मूर्ति, कासगंज रेलवे पुल के पास शहीद स्थल एटा में बाबू कल्याण सिंह की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति तथा महमूदाबाद सीतापुर में महंत अवैद्यनाथ जी की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति, प्रयागराज में कमला बहुगुणा की 06 फीट कांस्य मूर्ति तथा जनपद फर्रूखाबाद के जहानगंज रोड क्षत्रीयभवन में महाराणा प्रताप जी की 12.5 फीट अश्वारोही मूर्ति स्थापित कर दी गयी है।

राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने वाले राष्ट्रनायक एवं महापुरुष सदियों तक समाज को प्रेरणा देते रहेगें-जयवीर सिंह

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि देश के नागरिकों, साहित्यकारों तथा महापुरूषों के योगदान को जीवंत बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिमाएं स्थापित करने का कार्य संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में अवंतीबाई की 12.5 फीट अश्वारोही कांस्य प्रतिमा, कालों कुआं चौराहा, बांदा में स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस मूर्ति निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार बाबू कल्याण सिंह की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति, कासगंज एटा का निर्माण किया जा रहा है।

एक जनपद एक व्यंजन वित्त पोषण योजना

लखनऊ । उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ अभिजीत गौतम ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में विशिष्ट परम्परागत व्यंजनों को राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्रांडिग कौशल प्रशिक्षण आदि के माध्यम से प्रदेश विभिन्न जनपदों के विशिष्ट परम्परागत व्यंजनो हेतु एक जनपद एक व्यंजन नामक नई योजना संचालित की गयी है। योजनान्तर्गत जनपद लखनऊ हेतु चयनित व्यंजन रेवडी/आम उत्पाद/चाट/ मलाई मक्खन से सम्बन्धित उद्यमों के लिये वित्त पोषण हेतु सहायता योजनान्तर्गत उद्योग, सेवा व्यवसाय से जुड़े समस्त नए एवं विस्तारीकरण से सम्बन्धित उद्यम लाभ प्राप्त कर सकते है। योजना पूर्णतः ऑनलाईन है। वित्त पोषण के इच्छुक व्यक्ति पोर्टल msme.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

योगी सरकार में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है

योगी सरकार में केजीबीवी से क्रिकेट तक उन्नाव की बेटियां रच रही हैं इतिहास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बेटियों को दिए जा रहे अवसर उनके जीवन की दिशा बदल रहे हैं, इसका जीवंत उदाहरण सोमवार को राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ में देखने को मिला। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औरास, उन्नाव से पढ़कर निकलीं दो प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अर्चना देवी और उभरती खिलाड़ी निशा वर्मा अपनी शिक्षिका पूनम के साथ राज्य परियोजना कार्यालय पहुंचीं। दोनों ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी से मुलाकात कर अपने संघर्ष, उपलब्धियों और भविष्य के सपनों को साझा किया। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के माध्यम से हम वंचित वर्ग की बेटियों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि खेल, कौशल और आत्मविश्वास का मंच भी दे रहे हैं।

अर्चना देवी और निशा वर्मा की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी विद्यालयों से भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाएं निकल रही हैं। उन्नाव के छोटे से गांव से निकलकर विश्व कप जीतने तक का सफर योगी सरकार की उस सोच को साकार करता है, जिसमें हर बेटी को अवसर मिले।

इसी विद्यालय की पूर्व छात्रा निशा वर्मा आज उत्तर प्रदेश अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और बीसीसीआई के अंडर-19 महिला घरेलू टूर्नामेंट में प्रदेश के लिए खेल चुकी हैं। उन्नाव के एक छोटे से गांव में जन्मी अर्चना देवी का जीवन संघर्षों से भरा रहा। ग्रामीण परिवेश, बचपन में ही पिता का निधन, आर्थिक चुनौतियां और सामाजिक कठिनाइयों के बावजूद अर्चना ने हार नहीं मानी। वर्ष 2023 में आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रहीं अर्चना ने बताया कि उन्हें बचपन में यह भी नहीं पता था कि क्रिकेट क्या होता है। केजीबीवी औरास में प्रवेश मिलने के बाद ही उनकी खेल प्रतिभा को पहचान मिली और यहीं से उनके करियर की शुरुआत हुई।

दीक्षांत परेड में मंत्री दारा सिंह चौहान बोले- संवेदनशीलता और अनुशासन सबसे बड़ी जिम्मेदारी

कारागार विभाग को मिले नए डिप्टी जेलर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के डॉ. संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को कारागार अधिकारी संवर्ग (123वां सत्र) और जेल वार्डर संवर्ग (179वां सत्र) की पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। कारागार एवं होमगार्ड राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दारा सिंह चौहान ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली और प्रशिक्षण पूरा करने वाले अधिकारियों व वार्डरों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 31 प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया।

मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जेलों को आधुनिक, सुरक्षित और सुधारोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित, अनुशासित और संवेदनशील कारागार कर्मी ही प्रभावी कारागार व्यवस्था की आधारशिला हैं। बंदियों के पुनर्वास, नैतिक मूल्यों के विकास और कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 31 प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया। अधिकारी संवर्ग में छत्तीसगढ़ के जेल अधीक्षक टामन को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षार्थी का पुरस्कार मिला, जबकि जेल वार्डर संवर्ग में उत्तर प्रदेश के जिला कारागार बागपत के अतुल यादव को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षार्थी चुना गया। सभी प्रशिक्षुओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई।

91 प्रशिक्षुओं ने पूरी की ट्रेनिंग

दीक्षांत परेड में कुल 91 प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया। इनमें छत्तीसगढ़ के 6 जेल अधीक्षक, 3 सहायक अधीक्षक और उत्तर प्रदेश के 3 डिप्टी जेलर सहित कुल 12 अधिकारी शामिल रहे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के 79 जेल वार्डरों ने भी प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान जेल प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था, मानवाधिकार, बंदी प्रबंधन और आधुनिक तकनीक के उपयोग सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई।

इकाना में लांच हुआ यूपी-टी 20 लीग का ई-टिकट

लखनऊ । लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 14 अगस्त को यूपी-टी 20 लीग का आगाज होगा। आज सीएम योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने इसके ई- टिकट को लांच किया। 14 अगस्त के उद्घाटन के मौके पर सिंगर जैसमिन सैंडलास और ऋषभ रिखीराम शर्मा की परफॉर्मेंस शाम साढ़े पांच बजे होगी। वहीं, भव्य ड्रोन शो के साथ आतिशबाजी भी होगी। समारोह का संचालन एंकर जतिन सप्रू करेंगे।

ई- टिकट लांचिंग के मौके पर अवनीश अवस्थी ने कहा यूपी-टी-20 लीग सीजन चार के टिकट लांच समारोह में यहां आया हूं। स्टेडियम क्रिकेट का मंदिर है। इकाना और ग्रीन पार्क स्टेडियम में यह कार्यक्रम होने जा रहा है। क्रिकेट तब से खेला जा रहा है। जबसे हम लोग पैदा हुए हैं। तब से खेल रहे हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि सीएम कई बार इकाना आए हैं। मुझे उनके साथ में आने का अवसर मिला है। वह बहुत खुश होते हैं।

हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

10 अगस्त तक जमा करनी होगी अग्रिम धनराशि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई ने सकुर्लर-3 के माध्यम से अवगत कराया है कि हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 20 जुलाई, 2026 से बढ़ाकर 24 जुलाई, 2026 कर दी गयी है।

हज-202 हेतु इच्छुक हज आवेदक वेबसाइट https://haj-committee.gov.in पर ऑनलाइन हज आवेदन शीघ्र कर लें। जिन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन कर लिया है व ऑनलाइन आवेदन किन्हीं कारणों से पूर्ण नहीं किया है वह भी आवेदन को निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लें, अन्यथा वह हज-2027 में आवेदन से वंचित रह जाएंगे। जिनका भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट अभी प्रापत नहीं हुआ है वह तत्काल सम्बन्धित पासपोर्ट कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त कर लें, ताकि हज-2027 हेतु आवेदन की अन्तिम तिथि से पूर्व आवेदन पूर्ण हो सके।

यह भी अवगत कराया गया है कि हज यात्रियों के चयन हेतु ऑनलाइन कुर्रा (डिजिटल रैण्डम सेलेक्शन) 30 जुलाई, 2026 को हज हाउस मुम्बई में किया जायेगा। चयनित हज यात्रियों की सूची हज कमेटी आफ इण्डिया की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी व एस०एम०एस० के माध्यम से सूचित किया जाएगा। सभी चयनित हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि रुप 1,52,300/- दिनांक 10 अगस्त, 2026 तक हज कमेटी आफ इण्डिया के खाते में जमा करनी होगी।

योजना : ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने मधुबन में जिला सहकारी बैंक के नवीन भवन का किया उद्घाटन

चीनी मिल को आधुनिक और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में ठोस पहल

'पूर्व सरकारों ने सहकारिता की उपेक्षा की प्रधानमंत्री जी ने दिया नया जीवन'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ की मधुबन शाखा के नवीन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नवीन भवन के निर्माण पर सभी क्षेत्रवासियों, बैंक प्रबंधन और सहकारी समिति के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यदि पिछले 70 वर्षों में शासन करने वालों ने सहकारी बैंकों और समितियों की चिंता की होती, तो ऐसे आधुनिक भवन बहुत पहले बन चुके होते।

पूर्व सरकारों ने सहकारिता की उपेक्षा की,प्रधानमंत्री जी ने दिया नया जीवन

अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सहकारिता क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश में पहली बार सहकारिता मंत्रालय का गठन कर ₹सहकारिता से समृद्धि का संकल्प दिया। इसी सोच का परिणाम है कि आज सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण, गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि सामूहिकता और सहयोग की भावना से बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है ।

- **सहकारिता से समृद्धि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन, किसानों की खुशहाली उसका लक्ष्य:मंत्री ए के शर्मा**
- **किसानों को सस्ता ऋण, बीज और खाद उपलब्ध कराने में सहकारी संस्थाओं की अहम भूमिका : ए. के. शर्मा**
- **घोसी चीनी मिल को आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी, तात्कालिक और दीर्घकालिक योजना पर तेजी से कार्य : ए. के. शर्मा**
- **किसानों को वितरित किए किसान क्रेडिट कार्ड, वैज्ञानिक हिमांशु वर्मा को भी किया सम्मानित**

5 से 6 करोड़ रुपए की व्यवस्था किए जाने की दिशा में प्रयास

मंत्री शर्मा ने सहकारी घोसी चीनी मिल के संबंध में कहा कि सरकार इस विषय पर तात्कालिक और दीर्घकालिक, दोनों स्तरों पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि आगामी पेराई सत्र को निर्बाध रूप से संचालित रखने के लिए लगभग 5 से 6 करोड़ रुपए की व्यवस्था किए जाने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। वहीं दीर्घकालिक योजना के तहत केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय से समन्वय स्थापित किया गया है,ताकि घोसी चीनी मिल को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित कर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अग्रणी आधुनिक चीनी मिलों में विकसित किया जा सके।

'प्लांट से सड़क तक हर व्यवस्था होगी दुरुस्त'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने आगामी पेराई सत्र के दृष्टिगत घोसी सहकारी चीनी मिल का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी पेराई सत्र सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने चीनी मिल के प्लांट, मशीनरी, मैनपॉवर, संविदाकर्मियों की उपलब्धता, आंतरिक सड़कों तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक बिंदु की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मिल के संचालन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री श्री शर्मा ने चीनी मिल के महाप्रबंधक (जीएम) को निर्देशित किया कि मिल के आधुनिकीकरण, आवश्यक मरम्मत, मशीनों के उन्नयन, मानव संसाधन की आवश्यकता, संविदाकर्मियों की व्यवस्था तथा आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर शासन को उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा सके।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सहकारी चीनी मिलों को अधिक सक्षम, आधुनिक और तकनीक आधारित बनाना है, जिससे पेराई क्षमता में वृद्धि हो, संचालन अधिक प्रभावी बने तथा किसानों को समय पर उनकी उपज का लाभ मिल सके।

8 और 7 साल की बेटियां घायल ■ लोग बोले- बारिश से छत भरभराकर गिरी

मुजफ्फरनगर में मकान ढहा पिता और चार बच्चों की मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सीएम योगी ने अफसरों को राहत-बचाव में कोताही न बरतने के निर्देश दिए। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर फुगाना थाना क्षेत्र के हबीबपुर गांव का है।

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर में रविवार रात बारिश के बीच कच्चा मकान भरभराकर ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई। इनमें 60 साल के पिता और उनके चार बच्चे शामिल हैं। दो बेटियां घायल हैं। हादसा रात करीब 9 बजे हुआ। घटना के बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने JCB बुलवाकर मलबा हटवाया। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई दिनों से हो रही बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं, जिस कारण पूरा मकान ढह गया। डीएम और एसएसपी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हबीबपुर गांव निवासी इस्लामुद्दीन (60 साल) मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनका मकान मिट्टी के गारे और ईंटों से बना था, जबकि छत कच्ची थी। रविवार रात 9 बजे इस्लामुद्दीन घर में आराम कर रहे थे। पास ही बेटियां रुखसार (10 साल), रुकईया (8 साल), समईया (7 साल), अलसीबा (4 साल) और बेटे अहद (5 साल) व जीशान (1 साल) खेल रहे थे। पत्नी और 2 बच्चे घर के बाहर थे। इसी बीच अचानक मकान की कच्ची छत भरभराकर ढह गई। सभी मलबे के नीचे दब गए।

शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े। राहत बचाव का काम शुरू किया। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंचीं। जेसीबी से मलबा हटाकर नीचे दबे 7 लोगों को बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया, जहां रुकईया और समईया को छोड़कर बाकी अन्य को मृत घोषित कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शी बोला- बारिश के कारण हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शी अरुण सैनी ने बताया- लगातार हो रही बारिश के कारण यह हादसा हुआ। जब मकान गिरा, हम अपने घर के बाहर ही खड़े थे। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकाला। तब तक पुलिस और प्रशासन की टीम भी पहुंच गई थी। उन्होंने कहा- हादसे में परिवार के मुखिया इस्लामुद्दीन की मौत हो गई। प्रशासन को ऐसे जर्जर और कच्चे मकानों की पहचान कर उन्हें पक्का बनवाने की व्यवस्था करनी चाहिए। गरीब परिवारों की मदद की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। इस इलाके में बारिश के दौरान घुटनों तक पानी भर जाता है। जिससे लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

■ यह तस्वीर इस्लामुद्दीन की है। इसकी हादसे में मौत हो गई।

जिला अस्पताल पहुंचे राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल

मुजफ्फरनगर हादसे में घायल बच्चों का हाल-चाल जानने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से बच्चों की सेहत की जानकारी ली और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। साथ ही, पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सरकारी मदद का भरोसा दिलाया।

'बहू राममंदिर पर बुलडोजर चलवाने की बात कर रही है'

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने सांसद डिंपल यादव को लेकर रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इससे सपा के नेता भड़क गए हैं। सोमवार की दोपहर 1:30 बजे सपा नेता नितिन कोहली ने प्रेस वार्ता करके भाजपा विधायक से दो दिन में माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया है। ऐसा न करने पर उन्होंने विधायक के घर का घेराव करने और मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी है।

आगरा उत्तर विधानसभा सीट से पुरुषोत्तम खंडेलवाल भाजपा के विधायक हैं। वह लगातार दूसरी बार जीते हैं। उन्होंने 19 जुलाई को फेसबुक पर डिंपल यादव के इंटरव्यू का एक वीडियो अपलोड किया। इसके साथ उन्होंने लिखा...

'ससुर ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाईं, अब बहू राममंदिर पर बुलडोजर चलवाने की बात कर रही है। राम विरोधी समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश और देश की जनता करारा जवाब देगी' इस पर सपा नेता व उत्तरी विधानसभा प्रत्याशी नितिन कोहली ने भाजपा विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल की ओर से सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट को गलत बताया है। उन्होंने विधायक को दो दिन में माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है, ऐसा न करने पर विधायक के घर का घेराव किया जाएगा।

■ आगरा में बीजेपी विधायक ने सोशल मीडिया पर डिंपल यादव का वीडियो पोस्ट किया, सपाई भड़के

फास्ट न्यूज

आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एमजी रोड पर पैदल मार्च

आगरा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आगरा शहर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सुभाष पार्क से पैदल मार्च निकालकर एमजी रोड पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता ज्ञापन सौंपने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने गेट बंद कर उन्हें अंदर जाने से रोक दिया।

आगरा पुलिस ने 102 किलो गांजा पकड़ा

आगरा । आगरा में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आगरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना मलपुरा पुलिस ने 102.340 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जबकि इस नेटवर्क से जुड़े दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है।

डीसीपी वेस्ट आदित्य कुमार ने बताया कि 19-20 जुलाई 2026 की रात मलपुरा थाना क्षेत्र के रोहता रोड स्थित जाजऊ कटरा मोड़ पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।

आप कार्यकर्ताओं का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

गाजियाबाद। सामाजिक कार्यकर्ता और वैज्ञानिक सोनम वांगचुंग के समर्थन में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गाजियाबाद कलेक्ट्रेट पर हंगामा किया।

जिला अध्यक्ष निमित्त यादव ने कहा- देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य के लिए जंतर-मंतर में अनशन कर रहे वैज्ञानिक, शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में हम लोग एकत्रित हुए हैं।

सहकारी बैंक की मधुबन शाखा के नए भवन का हुआ उद्घाटन

मंत्री एके शर्मा बोले- सहकारिता किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बना रही मजबूत

■ **दीर्घकालिक योजना के तहत, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से घोसी चीनी मिल को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित कर प्रदेश और देश की अग्रणी आधुनिक चीनी मिलों में विकसित किया जाएगा।**

तमसा संकेत, एजेंसी

मऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सोमवार को जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ की मधुबन शाखा के नए भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड भी बांटे। शर्मा ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नवीन भवन के निर्माण पर बैंक प्रबंधन, सहकारी समिति के सदस्यों और क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया है। इसका उद्देश्य #सहकारिता से समृद्धि# के लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण, गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने किसानों से सामूहिकता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया, क्योंकि सामूहिक प्रयासों से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

घोसी सहकारी चीनी मिल के संबंध में मंत्री ने जानकारी दी कि सरकार अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर कार्य कर रही है। आगामी पेराई सत्र को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 5 से 6 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने का प्रयास किया जा रहा है।

1994 बैच के आईपीएस, यूपी के रहने वाले थे 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच की थी

त्रिपुरा डीजीपी ऑफिस में मृत मिले, सुसाइड की आशंका

■ यह रमेश कुमार हैं, जो अनुराग धनखड़ के साथ 12वीं तक पढ़े हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत। यूपी के रहने वाले त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ का शव मिला है। सोमवार सुबह वह पुलिस मुख्यालय में अचेत मिले। अधिकारियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, अनुराग धनखड़ ने सुसाइड किया है। उनका शव फिलहाल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल में रखा गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर जांच कर रही हैं। अनुराग धनखड़ 1994 बैच के IPS अफसर थे और बागपत के रहने वाले थे। इन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच की थी।अनुराग धनखड़ बागपत शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर बिहारीपुर गांव के रहने वाले थे। वह करीब 25 साल पहले आखिरी बार गांव आए थे। गांव में उनका पैतृक मकान है, लेकिन गेट पर ताला लगा है। गांववालों ने बताया कि उनके परिवार का कोई सदस्य अब यहां नहीं रहता।

डीजीपी अनुराग धनखड़ के मित्र रमेश कुमार ने बताया- हम दोनों 12वीं तक साथ में पढ़े हैं। अनुराग वॉलीबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। ग्रेजुएशन के बाद वह दिल्ली चले गए थे।

■ यह अनुराग धनखड़ का बागपत में पैतृक मकान है, जिसके गेट पर ताला लगा है।

गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़े थे अनुराग

डीजीपी अनुराग धनखड़ के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। अनुराग के बड़े भाई रविराज नेवी से रिटायर हैं। फिलहाल वह बड़ौत में खिलौने की दुकान करते हैं। जबकि, छोटे भाई रवि कुमार किसान हैं। अनुराग ने 5वीं तक की पढ़ाई गांव के प्राइमरी स्कूल से की थी। फिर 12वीं सरूरपुर इंटर कॉलेज से किया। इसके बाद बड़ौत डिग्री कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था।

चोर ने पहले गुटखा खाया, गोलक को सरिया से तोड़ा, बैग में नोट भरकर भागा

मथुरा में द्वारिकाधीश मंदिर में चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के प्रसिद्ध द्वारिकाधीश मंदिर में रविवार देर रात एक चोर घुसा। वह मंदिर के मुख्य गेट पर लगे दानपात्र (गोलक) के पास रुका, इधर-उधर देखकर तसल्ली की। फिर गुटखा खाया और सरिया से ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी बैग में भरकर फरार हो गया।

पूरी वारदात CCTV कैमरे में कैद हो गई। यह गोलक मंदिर के मुख्य द्वार के बाहर लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर प्रबंधन में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

द्वारिकाधीश मंदिर के मुख्य गेट पर लगे CCTV कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। फुटेज के अनुसार, रात करीब 12 बजे 25-30 साल का एक युवक मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर मोबाइल चलाता दिखाई देता है। कुछ देर बाद वह सीढ़ियों से उतरकर दोनों ओर देखता है कि कोई आ तो नहीं रहा।

इसी दौरान पुलिस की बाइक पर दो पुलिसकर्मी गश्त करते हुए वहां से गुजरते हैं। उन्हें देखकर युवक दोबारा सीढ़ियों पर बैठ जाता है। कुछ मिनट बाद वह फिर उठता है, इधर-उधर देखता है और जेब से गुटखे का पाउच निकालकर खा लेता है।

इस के बाद वह हाथ में सरिया लेकर गोलक के आसपास घूमता रहता है। करीब 9 मिनट तक मौका देखने के बाद वह गोलक के पास पहुंचता है और ताला तोड़ना शुरू कर देता है। रात करीब 12:30 बजे वह सरिया की मदद से ताला तोड़ देता है।

"मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया-सुबह करीब 5:15 बजे कर्मचारी मंदिर पहुंचे तो गोलक का ताला टूटा मिला। इसके बाद महाप्रबंधक अशोक शर्मा ने शहर कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस अज्ञात चोर की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी है।

मुख्य गेट पर लगी है गोलक

मंदिर के मुख्य गेट की सीढ़ियों पर स्टील की यह गोलक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगाई गई है। इसका उद्देश्य यह है कि जो श्रद्धालु किसी कारण मंदिर के अंदर नहीं जा पाते, वे भी इसमें अपनी श्रद्धानुसार दान कर सकें।

अलीगंज अग्निकांड वाली बिल्डिंग को मालिक गिराएगा

सबसे ऊपरी मंजिल पर ड्रिल मशीनें चलाईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज अग्निकांड वाली बिल्डिंग को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार को बिल्डिंग की सबसे ऊपरी मंजिल पर ड्रिल मशीनें चलाई जाने लगीं। इस बिल्डिंग पर एलडीए ने ध्वस्तीकरण का नोटिस लगाया था। उसके बाद बिल्डिंग मालिक ने आज से गिरवाना शुरू कर दिया। 22 जून को अलीगंज के सेक्टर-डी स्थित इस व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लगने से 15 लोगों की दम घुटने से मौत हो गई थी। हादसे के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की जांच में भवन निर्माण मानकों के विपरीत पाया गया। इसके आधार पर एलडीए ने इमारत को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया। एलडीए ने 10 जुलाई को बिल्डिंग मालिक को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी करते हुए 15 दिन के भीतर भवन गिराने के निर्देश दिए थे। नोटिस की अवधि पूरी होने से पहले सोमवार को बिल्डिंग के भीतर छत तोड़ने का काम शुरू हो गया। मजदूर ड्रिल मशीन से आरसीसी की छत में छेद करते दिखाई दिए। हालांकि मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने यह नहीं बताया कि यह कार्रवाई भवन स्वामी की ओर से कराई जा रही है या एलडीए के निर्देश पर। एलडीए की ओर से भी इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

■ नोटिस का समय पूरा होने से पहले एक्टिव हुआ मालिक

पृष्ठ 01 का शेष...

संसद पहुंचे कॉकरोच...

CJP ने आरोप लगाया कि निहत्थे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोल दागे। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की फोटो सामने आईं। पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने वांगचुक की हेल्थ रिपोर्ट मंगाई है। कोर्ट गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अगली सुनवाई मंगलवार 21 जुलाई की तारीख तय की।

सपा सांसद इकरा हसन ने कहा कि सरकार ने छात्रों और युवाओं के साथ गलत व्यवहार किया है। छात्रों पर लाठीचार्ज सरकार के अहंकार और लोकतंत्र को कमजोर करने की सोच को दिखाता है। छात्र सिर्फ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। जब कई परीक्षा पत्र, जिनमें नीट का पेपर भी शामिल है, लीक हो चुके हैं, तो शिक्षा मंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों के साथ पहले भी थी और आगे भी उनके साथ खड़ी रहेगी।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि आशुतोष रांका ने दावा किया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उनकी मांगों पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए कुछ समय मांगा है। रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि CJP ने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली- सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा किया जाए। दूसरी- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। तीसरी- NEET-UG 2026 की तैयारी कर रहे जिन अभ्यर्थियों ने आत्महत्या की, उनके परिजनों को 1-1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

CJP के नेता सौरव दास ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी।

सौरव दास ने लिखा कि उन्होंने अपनी मांगें केंद्रीय मंत्री के सामने रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे। हालांकि, अब तक उनकी ओर से कोई ठोस वादा या प्रतिबद्धता नहीं की गई है। साथ ही सौरव दास ने मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में CJP के प्रदर्शन के बीच गृह सचिव, दिल्ली पुलिस के कमिश्नर और IB चीफ की बैठक जारी है।

AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्र से अपील की कि वे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का आदेश देने के बजाय युवाओं की बात सुनें। X पर एक वीडियो संदेश में, आम आदमी पार्टी (AAP) नेता ने सरकार से अहंकार छोड़ने और युवाओं की बात सुनने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को राष्ट्रीय राजधानी में अलग-अलग जगहों पर ले जाया जा रहा था - प्रदर्शन वाली जगह से दूर - ताकि वे दोबारा इकट्ठा न हो सकें और कानून-व्यवस्था में खलल न डालें।

एक सूत्र ने बताया कि चेतावनी देने के बाद उन्हें छोड़ दिया जाएगा। साथ ही, पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों के बैकग्राउंड की जांच करेगी ताकि यह पता चल सके कि क्या उनमें से किसी का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

CJP के प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया है कि पुलिस कार्रवाई में गीतांजलि के साथ मारपीट की गई और उनके बाल खींचे गए। आरोप के अनुसार, इस झड़प के दौरान एक 12 साल की बच्ची का सिर फूट गया है और 40 से 50 अन्य लोग भी घायल हुए हैं। पार्लियामेंट स्ट्रीट के पास प्रदर्शनकारियों के साथ हुई झड़प के दौरान दिल्ली पुलिस का एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गया है। घायल सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि वे बैरिकेड्स के पास तैनात थे, तभी प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव किया गया, जिसमें वे चोटिल हो गए। सोनम वांगचुक के समर्थन में गुजरात के कई शहरों में प्रदर्शन हुए हैं। अहमदाबाद के लॉ गार्डन में बिना अनुमति के जमा हुए कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इसके अलावा सूरत, जूनागढ़ और भावनगर में भी सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की गई।

100 से ज्यादा...

हिरासत में लिए गए लोगों को वेरिफिकेशन और कानूनी औपचारिकताओं के बाद रिहा कर दिया जाएगा।

चढ़ावा चोरी, पेपर...

देश में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू: पिछले दिनों राजस्थान में सबसे बड़ी रिफाइनरी देश को समर्पित की गई। कुछ दिन पहले ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन शुरू की। दुनिया के कुछ देशों में ही ये ट्रेन चल रही है। भारत की ये ट्रेन सबसे ताकतवर और सबसे लंबी है।

संकट के बीच भारत मजबूत रहा: लगातार कहीं न कहीं विपरीत स्थितियां बनती रही हैं। पश्चिम एशिया का युद्ध संकट का कारण रहा। पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाइजर्स का संकट आया, लेकिन भारत 7.7% की विकास दर बढ़ने वाला देश रहा।

मानसून हो या सत्र, प्रोडक्टिव रहें: मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। इससे देश का कल्याण होता है। इसलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून और मानसून सत्र प्रोडक्टिव रहे।

'सनातन पर खतरा...

इनमें कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास शामिल रहा। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी विरासत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बाराबंकी केवल एक जिला नहीं, बल्कि बलिदान, राष्ट्रभक्ति और गौरवशाली परंपराओं की धरती है। इस पावन भूमि ने देश को अनेक ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। मुख्यमंत्री ने राजा बलभद्र सिंह, हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू और फ्लाइट लेफ्टिनेंट शंकर दयाल बाजपेई जैसी महान विभूतियों को याद करते हुए कहा कि बाराबंकी की धरती की गौरवशाली विरासत को संरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास केवल सड़क, भवन और अन्य निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास का उद्देश्य जिले की पहचान, संस्कृति और विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोमवार को भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन और पूजा-अर्चना करने का उन्हें सौभाग्य मिला, जिससे उन्हें अत्यंत आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर सदियों पुरानी आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, लेकिन लंबे समय तक इस ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल के विकास की उपेक्षा की गई। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर के निर्माण का निर्णय लिया है। कॉरिडोर के निर्माण के बाद बाराबंकी धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनेगा। अयोध्या, लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, अमेठी, बहराइच, गोंडा सहित आसपास के कई जिलों से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि लोधेश्वर महादेव धाम के विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के समय लोधेश्वर महादेव मंदिर, महाभारतकालीन पारिजात वृक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की विरासत के संरक्षण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने केडी सिंह बाबू की हवेली को बिकने से बचाया और उसे संग्रहालय के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा ले सकें।उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम, विंध्यवासिनी धाम, गोला गोकर्णनाथ और अब लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर के माध्यम से प्रदेश सरकार देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को पुनर्जीवित करने का कार्य कर रही है।

फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता

उत्साह

न्यूयॉर्क, एजेंसी

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल किया। स्पेन दूसरी बार फीफा वर्ल्ड चैंपियन बना है। उसने पहली बार 2010 में नीदरलैंड को हराकर यह ट्रॉफी जीती थी। अर्जेंटीना 90 मिनट तक किसी तरह मुकाबले में बनी रही। ऐसा लगा कि टीम मैच को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाना चाहती थी, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडिज ने ऐसी गलती कर दी, जिसने पूरी बाजी पलट दी। पाउ क्यूबार्सी पर

टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा यलो कार्ड दिखाया। यह उनका मैच का दूसरा यलो कार्ड था। इस तरह उनके दो यलो कार्ड, रेड कार्ड में कन्वर्ट हो गए। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया। 103वें मिनट में निको विलियम्स ने ऐसा क्रॉस डाला, जिसे देखकर स्पेनिश फैंस जश्न मनाने को तैयार हो गए थे। मिकेल मेरिनो को लगभग खाली गोल मिला, लेकिन उनका हेडर बाहर चला गया।

तीन मिनट बाद वही निको विलियम्स फिर बाएं फ्लैंक से पहुंचे। इस बार उन्होंने बैक पोस्ट पर हेडर से गेंद फेरन टोरेस के सामने गिराई। फेरन टोरेस ने बिना एक पल गंवाए

> **स्पेन की पहचान हमेशा से गेंद पर नियंत्रण रखने वाली टीम की रही है। इस फाइनल में भी वही अंदाज दिखा। रोड्री ने मिडफील्ड में पूरे मैच की रफ्तार तय की। अर्जेंटीना को काउंटर अटैक का मौका ही नहीं मिला। स्पेन ने करीब 65% समय गेंद अपने पास रखी।**

दाएं पैर से ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे नेट में जा समाई। यह फाइनल एक तरह से दो पीढ़ियों का मुकाबला भी था। एक तरफ 39 साल के लियोनेल मेसी थे, दूसरी ओर 20 साल के लामिन यमाल। मेसी से उम्मीद थी कि वे एक बार फिर बड़े मैच में कमाल कर दिखाएंगे, लेकिन स्पेन की मिडफील्ड और डिफेंस ने उन्हें कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया।

मार्टिनेज ने 105 मिनट तक अकेले लड़ाई लड़ी

अगर यह मुकाबला 105 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया।

लगभग अकेले लड़ रहे मार्टिनेज की दीवार आखिरकार 106ठे मिनट में ढह गई। निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा, जिन्होंने बॉल गोलपोस्ट में डाल दिया। इस तरह स्पेन 1-0 से आगे हो गया।

बांग्लादेश ने बेहद रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को हराया

टी20आई सीरीज को भी किया अपने नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले गए तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश ने जीत हासिल कर ली। इसी के साथ मेजबान टीम ने सीरीज को भी अपने नाम कर लिया। बांग्लादेश को इस दौरे पर अब तक एकमात्र टेस्ट मैच और वनडे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बांग्लादेशी टीम ने टी20 सीरीज में जीत के साथ दौरे का अंत अच्छी यादों के साथ किया है।

दोनों टीमों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। बांग्लादेश ने टी20 सीरीज में जबरदस्त वापसी की है क्योंकि टेस्ट और वनडे सीरीज में हार के बाद पहले टी20 मैच में भी शिकस्त मिली थी। ऐसे में उन्होंने सीरीज में वापसी की और आखिरी दो मैचों में जीत हासिल कर सीरीज को अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी

करने उतरी जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी मैच में कुछ खास नहीं कर सकी। टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 143 रन बनाए। जिम्बाब्वे की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी और 6 रनों पर ही पहला विकेट गंवा दिया था। टीम के लिए 9 बल्लेबाज बैटिंग करने के लिए आए और सिर्फ दो बैटर्स ही दहाई का आंकड़ा छू सके। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 38 गेंदों पर 47 रनों की पारी खेली। डायोन मायर्स ने कमाल की बैटिंग की और 53 गेंदों पर 73 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के निकले।

रोहित शर्मा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद हारी टीम इंडिया

इंग्लैंड वन-डे सीरीज का बना 'बादशाह'

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मैच में जीत हासिल कर ली है। इस जीत के साथ उन्होंने वनडे सीरीज को अपने नाम कर लिया है। मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था, जिसे टीम इंडिया हासिल नहीं कर सकी। इंग्लिश टीम के लिए बेन डकेट ने कमाल की बैटिंग की और शतक लगाया। उन्होंने 141 रनों की पारी खेली। इसके बाद अंतिम ओवरों में जोस बटलर ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 13 गेंदों पर नाबाद 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनकी पारी की वजह से ही मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा कर किया। इंग्लैंड की ओर से ओपनर बेन डकेट (141) ने ताबड़तोड़ शतक जड़ा तो इंग्लैंड की बल्लेबाजी की रीढ़ जो रूट

(74*) और जैकब बेथेल (91) ने अर्धशतक जड़े, जिससे मेजबान टीम ने तीन विकेट पर 387 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर डाला। ये वनडे में भारत के विरुद्ध इंग्लैंड का सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बुमराह की अनुपस्थिति में भारत चार तेज गेंदबाज और एक स्पिन आलराउंडर अक्षर पटेल के साथ उतरा। प्रसिद्ध, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ के पास कुल मिलाकर सिर्फ 51 वनडे मैचों का अनुभव था। इंग्लैंड की मजबूत और लय में चल रही बल्लेबाजी के सामने अनुभव और कौशल की यह कमी साफ दिखाई दी। बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाज न तो लगातार सही लाइन-लेंथ बनाए रख सके और न ही बल्लेबाजों पर दबाव बना पाए। पहले 10 ओवर में इंग्लैंड ने 58 रन बनाए, लेकिन इसके बाद 11वें से 30वें ओवर के बीच भारतीय गेंदबाज पूरी तरह मैच से बाहर हो गए। डकेट और बेथेल ने इस दौरान हर ढीली गेंद की सजा दी और रनगति लगातार बढ़ाते रहे। बेथेल ने सिर्फ 51 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि 16वें ओवर तक इंग्लैंड का स्कोर 100 रन के पार पहुंच चुका था।

रोहित शर्मा लॉर्ड्स में शतक ठोकने वाले बने पहले भारतीय

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेलते हुए 84 गेंदों पर शतक जड़ दिया। उन्होंने इस शतक के इतिहास रच दिया है। रोहित पहले दो मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे और इसके बाद उन्होंने लॉर्ड्स में अपना दम दिखाया और शतक ठोक दिया। रोहित का वनडे में ये 34वां शतक है।

रोहित ने आखिरी बार वनडे में कोई शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अक्टूबर 2025 में लगाया था। इसके बाद वे वनडे में शतक नहीं लगा सके थे और उनकी फॉर्म पर लगातार सवाल खड़े हो रहे थे। ऐसे में उन्होंने लॉर्ड्स में शतक लगाकर आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है। इस शतक के साथ उन्होंने पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। रोहित शर्मा ने शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

13 महीने पहले इंस्टाग्राम पर लिखा- 19 जुलाई 2026, अब बोले- यह पहले से तय था

दावा : पेड्री ने स्पेन की जीत की भविष्यवाणी की थी

नई दिल्ली। स्पेन ने फुटबॉल वर्ल्ड कप जीत लिया है। उसने रविवार रात को न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। टीम दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है।

23 साल के स्पेनिश मिडफील्डर पेड्री ने सोशल प्लेटफॉर्म X पर दावा किया कि उन्होंने इस जीत की भविष्यवाणी 13 महीने पहले कर दी थी। पेड्री ने ट्रॉफी चूमते हुए फोटो पोस्ट की और लिखा- 'यह पहले से लिखा था! 190726... वह दिन, जब पूरे देश का सपना सच हुआ। वह दिन, जब हम वर्ल्ड चैंपियन बने।' दरअसल, 10 जून 2025 को पेड्री ने इंस्टाग्राम पर सिर्फ '190726' पोस्ट किया था। उस समय इसका कोई मतलब स्पष्ट नहीं था। अब फैंस ने इसे 19 जुलाई

2026, यानी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल की तारीख से जोड़कर देखा, जिस दिन स्पेन ने खिताब जीत लिया।

पेड्री ने पूरे टूर्नामेंट में स्पेन के लिए हर मैच खेला। मिडफील्ड में उनके नियंत्रण, रचनात्मक खेल और संयम ने कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम को लगातार सफलता दिलाई।

इस जीत के साथ स्पेन ने 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप का खिताब जीता। साथ ही कोच लुइस डे ला फुएंते के नेतृत्व में टीम ने अपना लगातार 38वां अंतरराष्ट्रीय मैच बिना हार के पूरा किया, जो किसी भी यूरोपीय टीम का रिकॉर्ड है।

एक्स्ट्रा टाइम में टूटा अर्जेंटीना का सपना

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला गया फाइनल 90 मिनट तक गोलरहित रहा। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने कई शानदार बचाव किए, जबकि इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडेज़ दूसरे पीले कार्ड के बाद बाहर हो गए और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। एक्स्ट्रा टाइम में स्पेन को पहले निको विलियम्स के गोल से बढ़त मिलती दिखी, लेकिन फाउल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। आखिरकार 106वें मिनट में निको विलियम्स के हेडर पर फेरान टोरेस ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद जाल में पहुंचाई और स्पेन को 1-0 की ऐतिहासिक जीत दिला दी।

मनोरंजन

गानों की रॉयल्टी पर मचा बवाल, विवाद में कूदे अमाल मलिक

सैयारा के लिए वाईआरएफ ने तनिष्क बागची को नहीं दिए पैसे?

नई दिल्ली, एजेंसी

2025 की सुपरहिट फिल्म सैयारा (Saiyaara) के गाने भी चार्टबस्टर लिस्ट में टॉप पर रहे। फिल्म के कई गानों की धुन तनिष्क बागची (Tanishk Bagchi) ने तैयार किए। हाल ही में, सिंगर और कंपोजर ने फिल्म की एनिवर्सरी पर दावा किया कि उन्हें टाइटल ट्रैक के लिए 8 लाख रुपये की रॉयल्टी नहीं मिली है।

तनिष्क बागची का पोस्ट इंटरनेट पर वायरल हो गया और चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद यश राज फिल्म्स (YRF) ने एक

ऑफिशियल स्टेटमेंट के जरिए इन दावों पर रिएक्शन दिया है।

टाइटल ट्रैक की रॉयल्टी YRF द्वारा तीनों कंपोजर्स के बीच बराबर बांटी गई है और आगे भी बांटी जाती रहेगी, जैसा कि तनिष्क सहित सभी ने कॉन्ट्रैक्ट में तय किया था। YRF ने कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक, आपसी सहमति वाली शर्तों और समय-सीमा के अंदर सबको भुगतान कर दिया है।ह जैसे ही फिल्म मेकर्स ने सफाई दी, तनिष्क बागची ने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया। अब इस मुद्दे पर सिंगर अमाल मलिक भी कूद पड़े हैं। सिंगर ने बिना किसी का नाम लिए कहा गया कि वह 10 सालों से अकेले सिस्टम से लड़ रहे हैं। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, म्यूजिक इंडस्ट्री के लोग

तनिष्क बागची के दावे पर मेकर्स का रिएक्शन

मेकर्स की तरफ से कहा गया है कि सारी पेमेंट पहले ही कर दी गई है। YRF के ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा गया, ₹सैयारा टाइटल ट्रैक तीन कंपोजर्स (तनिष्क बागची, फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निजामी) के बीच एक शानदार सहयोग था। हम उनके बेहतरीन काम के लिए बहुत आभारी हैं कि उन्होंने एक ऐसा सदाबहार गाना बनाया जिसने लाखों लोगों के दिलों को छू लिया।

10 साल की देरी से जाग रहे हैं। जब मैं अकेले सिस्टम से लड़ रहा था, तब आप कहां थे?

आवारापन 2 के लिए अरिजीत सिंह ने रिटायरमेंट से लिया यू-टर्न

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के मशहूर गायक अरिजीत सिंह का नाम अक्सर चर्चा में बना रहता है। इस साल की शुरुआत में प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का एलान करने के बाद भी वह शोबिज की दुनिया में छाए रहते हैं। लेकिन फिलहाल जो खबर सामने आ रही है, उससे यकीनन अरिजीत के फैंस के चेहरे खिल जाएंगे। बताया जा रहा है कि अरिजीत सिंह ने अभिनेता इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 (Awarapan 2) का एक सैड सॉन्ग गाया है, जिसे मेकर्स जल्द ही रिलीज कर सकते हैं।इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन भले ही फ्लॉप रही थी, लेकिन अपने शानदार गीतों की वजह से ये कल्ट फिल्म बनी है। ऐसे में आवारापन 2 के लिए भी मेकर्स गानों में पूरी जान लगा रहे हैं। खासतौर पर निर्माता विशेष भट्ट आवारापन 2 के सभी गानों को लोकप्रिय बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। पिंकविला की रिपोर्ट में अब ये दावा किया जा रहा है कि विशेष ने स्पेशली अरिजीत सिंह से निवेदन किया है कि वह आवारापन 2 का टाइटल सॉन्ग ये आवारापन... (Ye Awarapan) गाएं और प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने वाले अरिजीत ने ऐसा किया भी है ।

10 सालों से फिल्मों में काम के लिए तरस रही हैं अर्चना पूरन सिंह

टोस्टर फिल्म में दिखीं अर्चना पूरन सिंह बड़े पर्दे के लिए नहीं मिल रहा अच्छा रोल

नई दिल्ली। सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस के तौर पर अर्चना पूरन सिंह को जाना जाता है। कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो की जज के तौर पर सुर्खियां बटोरने वालीं अर्चना बीते समय से मूवीज में काम न मिलने को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।

एक बार फिर से अर्चना पूरन सिंह ने इस मामले पर बात की है और बताया है कि ओटीटी फिल्म टोस्टर के बाद भी उन्हें अच्छे रोल के ऑफर नहीं मिल रहे हैं। आइए जानते हैं कि अर्चना ने क्या कहा है-

हाल ही में अर्चना पूरन सिंह ने न्यूज 18 को एक लेटेस्ट इंटरव्यू दिया है और इस दौरान उन्होंने बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की है। अर्चना ने बताया है-मेरे पास कई ब्रांड एंडोर्समेंट के ऑफर आते हैं, लेकिन बात जब फिल्मों के ऑफर की हो तो ऐसा नहीं होता है। सबको लगा की टोस्टर के बाद मेरे पास मूवीज के ऑफर की लाइन लग जाएगी, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। पिछले दिनों मेरे पास एक मूवी का ऑफर आया तो था, लेकिन मैंने उसे रिजेक्ट कर दिया क्योंकि मुझे वह किरदार पसंद नहीं आया। सच बताऊं तो फिल्म बोल बच्चन में मेरा किरदार अहम रहा और उसकी प्रशंसा भी काफी हुई। कई ट्रेड एनालिस्ट का फोन आया कि मेरे पास अब मूवीज की बाढ़ आएगी। लेकिन 10 सालों से अधिक समय बीत गया है, मेरा पास किसी फिल्म का अच्छा रोल नहीं आया है। हमारी इंडस्ट्री इस मामले में बेहद अजीब है। मालूम हो कि निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉमेडी ड्रामा फिल्म बोल बच्चन को साल 2012 में रिलीज किया गया था, जिसमें अभिषेक बच्चन और अजय देवगन ने अहम भूमिकाओं को निभाया।

सलमान ने देर रात तस्वीरें शेयर कीं

हेल्थ को लेकर चिंता के बीच पूछा- आप लोगों की तबीयत कैसी है, नए वीडियो में भी थके दिखे

मुंबई। मुंबई में एक इवेंट के दौरान सलमान खान का नया लुक चर्चा में आया, जहां वे पहले से काफी दुबले नजर आए। इसके बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंता जताने लगे और कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया।

इसी बीच रविवार देर रात सलमान ने X पर अपनी नई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आप लोगों की तबीयत कैसी है?' सलमान ने तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वह वायरल वीडियो की तुलना में काफी बेहतर और फिट नजर आ रहे हैं। वहीं, इस बीच सलमान का एक और वीडियो सामने आया। जिसमें वे अपने वायरल वीडियो की तुलना में थोड़ा बेहतर लग रहे हैं। हालांकि, उनकी आंखों के आसपास हल्की थकान दिखाई दे रही है।

सलमान के लुक और सेहत को लेकर फैंस ने चिंता जताई थी। एक यूजर ने लिखा कि वे बीमार लग रहे हैं, भगवान उन्हें ठीक रखे। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया कि उन्हें कोई हेल्थ इश्यू लग रहा है, क्योंकि वे ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा कि उनकी आंखों में

थकान साफ दिख रही है। फिल्मों में अकेले 50 लोगों से लड़ने वाले भाई का औरा इस वक्त गायब लग रहा है।

हालांकि, कुछ लोगों ने सलमान का सपोर्ट भी किया। एक यूजर ने लिखा कि बॉलीवुड के स्टार्स अपनी कमियों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जाते हैं, लेकिन सलमान ने बिना किसी झिझक के कैमरे के सामने अपनी असली उम्र को स्वीकार किया है। इसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए।

सलमान खान जल्द फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। पिछले दिनों अफवाह सामने आई थी कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है।

एसआरए के इवेंट में पहुंचे थे सलमान खान

दरअसल, सलमान खान शुक्रवार को मुंबई के स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (SRA) के दफ्तर में एक खास कार्यक्रम के सिलसिले में गए थे। वहां उन्होंने अथॉरिटी के नए डेटा कलेक्शन एंड वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबियां भी सौंपीं। कार्यक्रम के दौरान सलमान खान के साथ उनके बॉडीगार्ड शेरा भी मौजूद थे। इस इवेंट के कई वीडियो इंटरनेट पर सामने आए, जिसके बाद उनकी फिजिकल कंडीशन को लेकर चर्चा शुरू हो गई।

अमेरिका में 150 साल में पहली बार ऐसा हुआ

जेडी वेंस उपराष्ट्रपति रहते हुए चौथे बच्चे के पिता बने

खुशखबरी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस के घर चौथे बच्चे का जन्म हुआ है। 19 जुलाई की सुबह उनके बेटे एलक नील वेंस का जन्म हुआ। 150 साल से ज्यादा समय बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उनके घर बच्चे का जन्म हुआ।

टाइम मैगजीन के मुताबिक, इससे पहले ऐसा 1870 में हुआ था। उस समय राष्ट्रपति यूलिसिस एस. ग्रांट के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स की पत्नी एलन कोलफैक्स ने बेटे शायलर कोलफैक्स तृतीय को जन्म दिया था। जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर चौथे बच्चे की खुशखबरी साझा करते हुए लिखा,उषा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। हमारे तीनों बच्चे अपने छोटे भाई से मिलकर बेहद खुश हैं। एलक नील वेंस, जेडी और उषा वेंस की चौथी संतान हैं। उनसे पहले उनके तीन बच्चे इवान (9 वर्ष), विवेक (6 वर्ष) और मिराबेल (4 वर्ष) हैं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचते हुए। तस्वीर 3 मई 2026 की है।

> **वेंस लिखते हैं कि एरिका ने रोते हुए उषा से कहा कि उन्हें अफसोस है कि उनके और चार्ली के केवल दो ही बच्चे थे। इस बातचीत का उषा पर गहरा असर पड़ा और कुछ समय बाद उन्होंने चौथे बच्चे के लिए हामी भर दी।**

उषा वेंस का जन्म और पालन-पोषण कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में हुआ। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे। उनके पिता मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जबकि मां मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट हैं। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात 2010 में येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। बाद में दोनों ने शादी की। इस साल मिशिगन में व्हाइट हाउस के एक कार्यक्रम में जेडी वेंस ने मजाकिया अंदाज में बताया था कि उन्होंने उषा को चौथे बच्चे के लिए कैसे राजी किया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने से पहले उन्होंने उषा से कहा था, मैं चौथा बच्चा चाहता हूं। इस पर उषा ने जवाब दिया, ठीक है, लेकिन तुम्हें अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनना है या चौथा बच्चा चाहिए, दोनों एक साथ नहीं मिल सकते।

ज्यादा बच्चों के पक्षधर हैं वेंस

ज्यादा बच्चों के पक्षधर रहे हैं वेंस

जेडी वेंस ट्रम्प सरकार के उन प्रमुख नेताओं में रहे हैं, जो अमेरिका में जन्मदर बढ़ाने की वकालत करते रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका में गिरती जन्मदर भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इसी वजह से उन्होंने टैक्स छूट, परिवारों के लिए आर्थिक मदद और बच्चों वाले परिवारों को अधिक समर्थन देने जैसी नीतियों की पैरवी की है।

अपनी हाल ही में रिलीज हुई किताब कम्युनियन में वेंस ने अपनी निजी जिंदगी का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा कि वे कई साल से पत्नी उषा वेंस से चौथा बच्चा करने की बात कहते रहे, लेकिन उषा का मानना था कि तीन बच्चों के बाद उनका परिवार पूरा हो चुका है। सार्वजनिक जीवन में आने के बाद वह चौथा बच्चा नहीं चाहती थीं।

अमेरिका में 38 साल पहले अस्पताल में बदल गए थे बच्चे

अब डीएनए टेस्ट से हुआ खुलासा हॉस्पिटल पर केस

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के कोलोराडो सिटी में 38 साल पहले जन्म के समय दो बच्चों की अदला-बदली का मामला सामने आया है। DNA टेस्ट से पता चला कि नॉर्थ डकोटा के एक अस्पताल में 26 जनवरी 1988 को पैदा हुए दो बच्चों को गलती से बदल दिया गया था। अब दोनों परिवार यूनिटी मेडिकल सेंटर पर केस कर रहे हैं। परिवार आरोप लगा रहे हैं कि अस्पताल की लापरवाही की वजह से उनसे वह जिंदगी छिन गई जो उन्हें जीनी चाहिए थी।

मामले का खुलासा तब हुआ जब काइल बाइलिन ने क्रिसमस पर गिफ्ट एक्सचेंज के दौरान रैंडमली घर पर किया जाने वाला DNA टेस्ट करवाया। टेस्ट के बाद उन्हें एक अपनी बायोलॉजिकल आंटी के बारे में जानकारी मिली। इसके के बाद आंटी के भतीजे जेरेमी मॉरिमन ने भी टेस्ट करवाया। जब टेस्ट का नतीजा आया तो दोनों हैरान रह गए। मॉरिसन को यकीन तब हुआ जब उन्होंने बाइलिन के भाई की फोटो देखी और पाया कि दोनों बिल्कुल एक जैसी ही दिखते हैं।

कोर्ट में दायर याचिका के मुताबिक, बाइलिन और मॉरिसन ही वे दो बच्चों है जिनका जन्म 1988 में ग्राफ्टन के यूनिटी मेडिकल सेंटर में हुआ था। किसी कारण वे गलत माता-पिता के साथ घर चले गए। बाइलिन के पास आज भी अस्पताल का वह ब्रेसलेट है जिसमें उनका नाम गलती से काइल बाइलिन लिखा था। DNA रिपोर्ट के बाद दोनों के परिवारों की दुनिया बदल गई।

फास्ट न्यूज

मुश्किल में इमरान खान की बहन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एंटी-साइबरक्राइम एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी को समन भेजा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने देश की सरकारी संस्थानों को बदमान करने और झूठी बातें फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत, अपमानजनक और भड़काऊ कंटेंट शेयर किया।

यह समन नियाजी के एक इंटरव्यू के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेजा गया है।

हिटलर की जन्मस्थली पर पुलिस स्टेशन खोलने का फैसला

वियना। ऑस्ट्रिया सरकार उस इमारत में पुलिस स्टेशन खोलने जा रही है जहां 1889 में जर्मन तानाशाह एडॉल्फ हिटलर का जन्म हुआ था। इसका उद्देश्य दशकों से चली आ रही इस बहस को खत्म करना है कि इस जगह को दूर-दराज चरमपंथियों के लिए तीर्थस्थल बनने से कैसे रोका जाए।

जर्मनी की सीमा पर साल्जबर्ग के उत्तर में ब्रौनौ एम इन शहर में स्थित साल्जबर्गर वोरस्टेड 15 नाम की यह 17वीं शताब्दी की इमारत अब सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत की जा चुकी है।

अमेरिका के एरिजोना में हमलावर ने की गोलीबारी

वाशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना स्थित टक्सन शहर के डाउनटाउन से गोलीबारी की खबर सामने आ रही है। जहां रविवार तड़के एक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में दो गुटों की झड़प के बाद एक हमलावर ने गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम 9 लोग घायल हो गए।

घटना के बाद सभी घायलों और संदिग्ध को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर पार

एक हफ्ते में 16% बढ़ा भारत में महंगाई का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल आज 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।

तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत में महंगाई और एनर्जी शॉक के जोखिम को बढ़ा दिया है। इससे भारतीय रुपए और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) के फ्लो पर असर पड़ने की संभावना है।

दूसरी ओर, कच्चे तेल के महंगे होने से भारत की ऑइल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) के रिटेल फ्यूल मार्जिन पर भारी दबाव पड़ा है, जिससे डीजल पर कंपनियों को प्रति लीटर 20.4 रुपए का घाटा हो रहा है। हालांकि, रिफाइनिंग मार्जिन में भारी उछाल के कारण कंपनियों का ओवरऑल मुनाफा फिलहाल संभला हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 2.69 डॉलर (3.05%) बढ़कर 90.79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो 11 जून के बाद का उच्चतम स्तर है। बीते एक हफ्ते में ब्रेंट क्रूड में 16% की तेजी आई है, जो अप्रैल के बाद किसी एक हफ्ते की सबसे बड़ी बढ़त है।

अभी ब्रेंट क्रूड 88.43 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी WTI क्रूड 82.40 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एंडी बर्नहैम ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने

10 साल में सातवें पीएम, पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद वित्त मंत्री बन सकती हैं

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में सोमवार को एंडी बर्नहैम ने नए प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वह पिछले 10 साल में ब्रिटेन के सातवें प्रधानमंत्री बने हैं।

उन्होंने देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े बदलाव का वादा करते हुए कहा है कि उनकी सरकार लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं, जैसे महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देगी। पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर विदाई भाषण देने के बाद किंग चार्ल्स को अपना इस्तीफा सौंपा। इसके बाद ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर एंडी बर्नहैम ने किंग से मुलाकात की और औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। 56 वर्षीय बर्नहैम ऐसे समय सत्ता में आए हैं, जब ब्रिटेन कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें धीमी आर्थिक वृद्धि, खराब प्रदर्शन करने वाली सार्वजनिक सेवाएं और बुनियादी सुविधाओं की समस्याएं प्रमुख हैं। सरकार संभालने के साथ ही उन्हें अपनी नई कैबिनेट का भी गठन करना है।

एंडी बर्नहैम ने सोमवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री की शपथ ली है। उन्होंने कीर स्टार्मर की जगह ली है।

नई कैबिनेट पहली चुनौती होगी

प्रधानमंत्री बनने के बाद बर्नहैम की पहली बड़ी चुनौती अपनी कैबिनेट का गठन होगी। खास तौर पर वित्त मंत्री की नियुक्ति पर सभी की नजर रहेगी, क्योंकि पहले भी प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के बीच मतभेद कई सरकारों के लिए मुश्किल बने हैं।

ऊर्जा सुरक्षा मंत्री एड मिलिबैंड को पहले इस पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अब गृह मंत्री शबाना महमूद का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। शबाना पाकिस्तानी मूल की नेता हैं। हालांकि बर्नहैम ने कहा है कि उन्होंने अभी अपनी टीम पर अंतिम फैसला नहीं लिया है।

ब्रिटेन के लिवरपूल में 28 सितंबर 2025 को लेबर पार्टी के वार्षिक सम्मेलन के पास आयोजित 'डिजिटल आईडी का विरोध' प्रदर्शन में शामिल लोग तख्तियां लेकर विरोध जताते हुए।

पहला फैसला डिजिटल पहचान पत्र लागू करने का फैसला रद्द किया

बर्नहैम सरकार के शुरुआती फैसलों पर भी सबकी नजर रहेगी। सरकार ने पहले ही एक अहम कदम उठाते हुए सभी कर्मचारियों के लिए डिजिटल पहचान पत्र लागू करने की योजना रद्द कर दी है। इस की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सरकार ने सितंबर 2025 में की थी। इसका मकसद यह था कि देश में काम करने वाले हर कर्मचारी की पहचान और उसके काम करने के कानूनी अधिकार की डिजिटल तरीके से पुष्टि की जा सके। सरकार का मानना था कि इससे फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कम होगा और अवैध प्रवासन पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

खाना पहुंचाते समय लिखी कई कविताएं, 14 साल में पढ़ाई छूट गई थी

चीन में फूड डिलीवरी ब्वॉय को सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान

बीजिंग, एजेंसी

चीन में फूड डिलीवरी का काम करने वाले 56 वर्षीय वांग जिबिंग को देश के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मानों में से एक लू शुन साहित्य पुरस्कार मिला है। उनकी कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' को यह सम्मान दिया गया है। इस किताब की कई कविताएं उन्होंने फूड डिलीवरी के बीच मिले खाली समय में कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर लिखी थीं। वांग 2019 के आसपास फूड डिलीवरी राइडर बने थे। उनकी कविताएं सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुए। उनकी नई किताब 'लो फ्लाइट' डिलीवरी राइडर्स की रोजमर्रा की परेशानियों, संघर्ष और जीवन पर आधारित है। यह किताब उन्होंने 2024 में प्रकाशित की थी। इसके लिए उन्होंने करीब 200 डिलीवरी राइडर्स से बातचीत की और उनके अनुभवों को अपनी कविताओं में दर्ज किया। उनकी एक कविता की पंक्ति है, किसने कहा कि पंख फैलाने का मतलब सिर्फ ऊंची उड़ान भरना है? नीचे उड़ना भी उड़ान ही है।ह वांग का जन्म चीन के जियांगसू प्रांत में हुआ था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें 14 साल की उम्र में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने निर्माण मजदूर, कबाड़ बीनने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने जैसे कई छोटे-मोटे काम किए। बाद में वे फूड डिलीवरी राइडर बन गए। हालांकि, पढ़ने-लिखने का उनका शौक कभी खत्म नहीं हुआ। अब तक वह 6 हजार से अधिक कविताएं लिख चुके हैं। उनकी कई रचनाएं प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। वांग कहते हैं, ₹लोग शायद मुझे याद न रखें, लेकिन उन्हें तेज रफ्तार से गुजरता एक फूड डिलीवरी राइडर जरूर याद रहता है।

एक कविता से मिली पहचान

2022 में उनकी कविता 'मैन इन ए हरी' सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। यह कविता 2019 की एक घटना से प्रेरित थी। उस समय वह जियांगसू के कुनशान शहर में फूड डिलीवरी का काम कर रहे थे। एक ग्राहक ने गलत पता दर्ज कर दिया था। सही घर ढूंढने के लिए वांग को तीन रिहायशी इमारतों में भटकना पड़ा और 18 मंजिल तक सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं।

जब वह आखिरकार खाना लेकर पहुंचे तो ग्राहक ने देर होने पर उन्हें डांट दिया। घर लौटते समय उन्होंने अपनी नाराजगी और दर्द को शब्दों में ढाल दिया। इसी से उनकी कविता 'मैन इन ए हरी' जन्मी। यह कविता सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। यही से उनके साहित्यिक सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद 2023 में उनका पहला कविता संग्रह 'मैन इन ए हरीः पोएम्स ऑफ ए फूड डिलीवरी राइडर' प्रकाशित हुआ।

> **इस किताब की एक कविता में वह लिखते हैं सड़क पर दौड़ता हर आम इंसान अपने हाथ में एक छोटी-सी रोशनी लिए चलता है। यही रोशनी पहले हमें रास्ता दिखाती है और फिर धीरे-धीरे पूरी दुनिया को रोशन कर देती है।**

उत्तराखंड में 'सात मोड़' पर 4369 पेड़ों की बलि

'विकास' की भेंट चढ़ रहे हर दिन 5 हेक्टेयर जंगल

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड में देहरादून-ऋषिकेश हाईवे के सात मोड़ क्षेत्र में फोर/सिक्स लेन परियोजना के लिए 4369 पेड़ हटाए जा रहे हैं, जिनमें 3605 की सीधी कटाई और 754 के ट्रांसप्लांट की योजना है।

स्थानीय नागरिक 'काला हरेला' मनाकर विरोध कर रहे हैं, जबकि एनएचएआई परियोजना को जायज ठहरा रहे हैं।

राज्य गठन के बाद से उत्तराखंड में 46,203 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि विकास परियोजनाओं के लिए दी जा चुकी है, यानी रोज़ लगभग 5 हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं।

एनएचएआई सुरक्षा, ट्रैफिक और वन्यजीव शमन उपायों का हवाला दे रहा है, पर पिछले असफल ट्रांसप्लांटेशन और सूख चुके पेड़ों के 'कब्रिस्तान' से पर्यावरणविद सशंकित हैं। उत्तराखंड में एक बार फिर वही कहानी दोहराई जा रही है जो 70 के दशक से बार-बार सामने आ जाती है। सरकारें पेड़ और जंगल काटने पर आमादा हैं और स्थानीय लोग पेड़ों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक राज्य बनने के बाद से उत्तराखंड में हज़ारों पेड़ काटे जा चुके हैं। 9 नवंबर 2000 को राज्य गठन से लेकर जून 2026 तक उत्तराखंड में कुल 46,203.76 हेक्टेयर वन भूमि विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए हस्तांतरित की गई है यानी कि लगभग 5 हेक्टेयर जंगल रोज किसी न किसी परियोजना के नाम हो जा रहा है। चमोली के चिपको आंदोलन से बार-बार हो रहे इस घटनाक्रम का केंद्र इस बार देहरादून-ऋषिकेश हाईवे पर सात मोड़ नाम की जगह है। यहां सड़क को चौड़ी करने के लिए करीब 4400 पेड़ों की बलि दी जानी है।

चेतावनी : खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की, तो कोई जिंदा बचकर नहीं जाएगा

'अमेरिकी सैनिकों का इंतजार कर रहे हैं'

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अल जजीरा के मुताबिक, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के साथ कूटनीति और समझौते का रास्ता अब भी खुला है, हालांकि अमेरिका अपने सैन्य अभियान जारी रखेगा।

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की तो उसके सैनिक जिंदा वापस नहीं लौट पाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की खार्ग आइलैंड पर कब्जे से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ईरान में ऐसे लोग हैं जो अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रहे हैं। खार्ग आइलैंड और उसके आसपास सामना करने के लिए पूरी तैयारी है।

खार्ग आइलैंड फारस की खाड़ी में बुशहर प्रांत के तट से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित है। यह ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र है और रणनीतिक रूप से देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिसंपत्तियों में गिना जाता है। IRGC ने कहा कि उसने जॉर्डन, कुवैत, ओमान समेत कई देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए हैं। साथ ही चेतावनी दी कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कुवैत के बिजली उत्पादन और वॉटर डिसेलिनेशन संयंत्र पर फिर हमला हुआ, जिससे कई बिजली उत्पादन इकाइयों में आग लग गई। मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए राहत कार्य जारी होने की जानकारी दी। ईरान के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गनाइजेशन (AEOI) ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने खुजेस्तान प्रांत में बन रहे डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र की साइट पर हमला किया है।

ईरान में बिजली संकट गहरायाः अमेरिकी हमलों और भीषण गर्मी के बीच ईरान में बिजली संकट बढ़ गया है। तेहरान समेत कई इलाकों में रोज बिजली कटौती हो रही है, जिससे आम जनजीवन और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इराक ने बसरा से तुर्किये और सीरिया तक नई तेल पाइपलाइन बिछाने की योजना पर काम शुरू किया है।

ईरान की चेतावनी- अमेरिकी घुसपैठ का तुरंत जवाब देंगे

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने कहा है कि उसकी जमीनी सेना किसी भी अमेरिकी घुसपैठ को तुरंत नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, IRGC ने कहा कि उसकी सेना आधुनिक हथियारों, लगातार प्रशिक्षण और बढ़ी हुई ऑपरेशनल क्षमता के साथ तैयार है।

टाइटैनिक सर्वाइवर का लाइफजैकेट 114 साल बाद नीलाम

लंदन, एजेंसी

RMS टाइटैनिक के डूबने के 114 साल बाद जहाज से जुड़ी एक सबसे दुर्लभ और ऐतिहासिक चीज नीलामी में रिकॉर्ड कीमत पर बिकी है। यह 22 साल की फर्स्ट-क्लास यात्री लॉरा मेबेल फ्रैंकाटेली का कॉर्क से भरा लाइफजैकेट था, जिसे विल्टशायर के नीलामी घर हेनरी एल्ड्रिज एंड सन से 670,000 यानी करीब 6.7 करोड़ रुपये में बेचा। BBC के अनुसार, यह टाइटैनिक हादसे के बाद नीलामी में आने वाला किसी सर्वाइवर का एकमात्र प्रमाणित लाइफजैकेट है। नीलामीकर्ताओं ने इसे जीवन में एक बार मिलने वाला मौका बताया। क्रीम रंग की कैनवस वेस्ट में 12 कॉर्क वाले फ्लोटेशन पॉकेट, शोल्डर रेस्ट और साइड स्ट्रैप लगे हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि इस पर लॉरा फ्रैंकाटेली और लाइफबोट नंबर 1 में उनके साथ बचे 7 अन्य लोगों के हस्ताक्षर हैं। यही वजह है कि इसे 1912 की त्रासदी से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण निजी यादगारों में से एक माना जा रहा है। लॉरा फ्रैंकाटेली उस समय ब्रिटिश फैशन डिजाइनर लेडी लुसी डफ-गॉर्डन और उनके पति सर कॉस्मो डफ-गॉर्डन की पर्सनल सेक्रेटरी थीं और शिकागो जा रही थीं। 14 अप्रैल 1912 की रात जहाज आइसबर्ग से टकराने के बाद वह लाइफबोट नंबर 1 में सवार होकर बच गई थीं।

इस बोट में 40 लोगों की जगह थी लेकिन इसे सिर्फ 12 लोगों के साथ उतारा गया था। बाद में बोट ने बर्फीले पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए वापस लौटने से इनकार कर दिया था, जिसकी काफी आलोचना हुई थी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96